हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार, 3 अगस्त 2025

9 स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन

10 लुहारहेड़ी में 2 महीने पहले बनी सड़क टूटी

खबर संक्षेप

कॉलेज में ओरिएंटेशन कार्यक्रम 5 को

बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में मंगलवार 5 अगस्त को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान नवप्रवेशी छात्राओं को महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, आचारसंहिता, उपलब्ध संसाधनों एवं सहशैक्षणिक अवसरों की जानकारी प्रदान की जाएगी।

करंट की चपेट में आने से गोवंश की मौत

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 पुलिस चौकी के पास करंट लगने से एक सांड की मौत हो गई। तिरंगा लाइट के पोल के कारण यह हादसा हुआ। इस पोल से करंट के चलते पिछले साल भी एक गोवंश की मौत हो गई थी। साल भर में दूसरा हादसा होने से जीव प्रेमियों ने दुख जताया है। जीव प्रेमियों का कहना है कि शहर में खंभों में करंट के चलते कई बार हादसे हो चुके हैं। कई गोवंशों की जान जा चुकी है। शनिवार की सुबह जिस पोल से हादसा हुआ, उसके नजदीक एक पार्क भी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग टहलने व बच्चों को घुमाने आते हैं। गनीमत रही कि कोई बच्चा या आम नागरिक चपेट में नहीं आया। समय रहते पोल की सप्लाई रोक दी गई, अन्यथा और जीव भी चपेट में आ सकते थे। शहर में लगे बिजली पोल की नियमित जांच होनी चाहिए। जहां भी करंट आने की शिकायत हो, वहां तुरंत सुधार कार्य करवाया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

वैश्य कॉलेज में हुआ इंडक्शन प्रोग्राम

बहादुरगढ़। शनिवार को शहर के वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में नवसत्र के प्रारंभ में छात्राओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने छात्राओं से पूरी इच्छा शक्ति व ध्यान केंद्रित कर पढ़ने का आह्वान किया। वाईआरसी प्रभारी डॉ शालू शर्मा ने एनईपी के अंतर्गत मल्टीडिसिपलिनरी कोर्स, स्किल एनहांसमेंट कोर्स, एबिलिटी एनहांसमेंट कोर्स और वैल्यू एडिड कोर्स आदि के बारे में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन किया। साथ ही छात्राओं को यूथ रैडक्रॉस से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. नेहा नैन ने छात्राओं को मेजर व माइनर कोर्स के महत्व व क्रेडिट्स के बारे में जानकारी दी। छात्राओं को एनएसएस से जुड़कर समाज सेवा में सकारात्मक योगदान के लिए प्रेरित किया। डॉ. मंजीत, सुजाता वर्मा व डॉ. भारती मिश्रा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

केसीबी ड्रेन उफान पर, रातभर जागकर पटरियों की निगरानी कर रहे किसान

गुरुग्राम माइनर का पानी ड्रेन में छोड़ने के चलते हालात बिगड़े, टूटने का खतरा

हरिभूमि न्यूज. बहादुरगढ़

केसीबी ड्रेन का जलस्तर इन दिनों लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुग्राम माइनर का अतिरिक्त पानी ड्रेन में छोड़े जाने से स्थिति गंभीर हुई है। इस कारण बुपनिया, गंगड़वा, जगरतपुर, लुकसर सहित आसपास के गांवों के किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों को डर है कि यदि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो ड्रेन कभी भी टूट सकती है, जिससे हजारों एकड़ फसल पानी में नष्ट हो जाएगी।

लुकसर के पास रिसाव, संभाला

फिलहाल रातभर जागकर किसान ड्रेन की पटरियों और अपने खेतों की निगरानी कर रहे हैं ताकि कोई दरार या रिसाव समय रहते पकड़ में आ सके। शुक्रवार की देर रात को ही लुकसर के पास ड्रेन से पानी का रिसाव शुरू होकर खेतों की ओर जाने लगा। समय रहते किसानों की नजर पड़ी तो उसे संभाल लिया गया। प्रवीण गिल, राजेश, ललित, राज सिंह, मोटा, जमित, बादल, जसबीर, सुमित आदि किसानों ने संबंधित विभाग से गुहार लगाई है कि ड्रेन में माइनर का पानी तत्काल रोका जाए, ताकि संभावित आपदा से बचा जा सके। किसानों ने याद दिलाया कि वर्ष 2022 में भी ड्रेन टूटने से इन गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे और कई गांवों की भारी मात्रा में फसल नष्ट हो गई थी।

बहादुरगढ़। रातभर जाग कर ड्रेन की निगरानी करते किसान व श्रमिक।

सैकड़ों एकड़ में खड़ी फसल पर खतरा

इस बार जलस्तर 2022 से केवल कुछ इंच ही कम है। सैकड़ों एकड़ फसल खतरे के साये में है। यदि अब भी संबंधित विभाग ने लापरवाही बरती तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। तुरंत प्रभाव से गुरुग्राम माइनर का पानी ड्रेन में डालना बंद कर ड्रेन के कमजोर हिस्सों को मजबूत किया जाए। समय रहते उचित कदम उठाकर ही संभावित तबाही को टाला जा सकता है। वहीं, शनिवार को अधिकारियों ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। सिंचाई विभाग के जेई सचिन ने कहा कि शुक्रवार से हम ड्रेन की निगरानी कर रहे हैं। माइनर का पानी ड्रेन में डालने से रुकवा दिया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। अपनी तरफ से तमाम व्यवस्थाएं की जा रही हैं। निगरानी के लिए बेलदार छोड़ दिया है। ड्रेन की सफाई भी कराई जाएगी।

जलभराव से छुड़ानी में खराब हो रही फसलें

बहादुरगढ़। छुड़ानी गांव के खेतों का डहरी इलाका एक बार फिर जलभराव की चपेट में है। सैकड़ों एकड़ धान की फसल पानी में डूब गई है। किसानों ने केसीबी ड्रेन की सही तरीके से सफाई नहीं होने की शिकायत करते हुए कहा कि जलनिकासी के लिए लगाए गए पंप भी पर्याप्त अनुचित तरीके से बंद किए जाने से जलभराव की स्थिति विकट हो रही है। बता दें कि पहले मातन लिंक ड्रेन को बीच खेतों में खुला छोड़ रखा था। जिस कारण हर साल यहां फसल जलमग्न होकर खराब हो जाती थी। लेकिन कुछ साल पहले मातन लिंक ड्रेन को केसीबी ड्रेन से कनेक्ट कर दिया गया है। इसके अलावा करोड़ों रुपए खर्च करके गांव में पानी निकासी के लिए पंपिग स्टेशन बनाया गया। साथ ही 24 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए कनेक्शन भी लिया गया। बड़ी मोटरें और भारी भरकम जरनेटर भी लगाए। लेकिन किसानों के अनुसार केसीबी के खतरनाक स्तर का हवाला देकर अधिकारी मोटरों को बंद करवा देते हैं। जिस कारण छुड़ानी के खेत तालाब का रूप ले चुके हैं। किसानों का आरोप है कि सिंचाई विभाग की सिविल डिविजन ने भी केसीबी ड्रेन की सही से सफाई नही करवाई और ना ही किनारों को मजबूत किया। सरपंच विनोद सहवाग समेत पीड़ित किसानों ने बताया कि अधिकारियों की बेरुखी के कारण खेतों में खड़ी फसल डूब रही है। उन्होंने सिंचाई विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की जांच करवाने के साथ ही जलनिकासी करवाने की मांग की है।

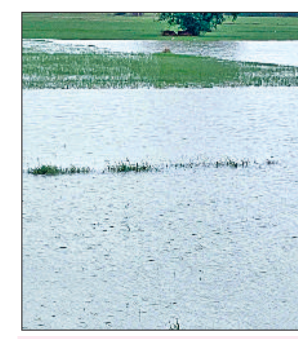

■ ड्रेन की सफाई पर किसानों ने उठाए सवाल, निकासी के इंतजाम भी नाकाफी

चार मोटर लगाकर पानी निकाला जा रहा : एसडीओ

एसडीओ धीरज ने बताया कि मातन लिंक ड्रेन के दोनों तरफ खेतों से पानी निकासी के लिए लगाई गई चारों मोटरों को चला दिया गया है और ये मोटरें 24 घंटे चलती रहेंगी।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

■ उम्र लगभग 25 साल, नहीं हो पाई शिनाख्त

बहादुरगढ़। शनिवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां सांखोल गांव के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवा कर पहाचन के प्रयास शुरू कर दिए हैं। दरअसल, शनिवार की सुबह जब रेलवे ट्रैक की निगरानी की जा रही थी तो इस दौरान शव दिखाई दिया। कीमैन ने इसकी सूचना जीआरपी को दी। जीआरपी से एएसआई राकेश टीम सहित मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। इस दौरान सामने आया कि युवक ट्रेन की चपेट में आया हुआ था और उसकी सांस थम चुकी थी। आनन फानन में अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर दी। जिसके बाद पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। एएसआई राकेश ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष आंकी जा रही है। उसके कपड़ों से पहचान संबंधित कोई दस्तावेज नहीं मिला है। शव को पहचान के लिए बहादुरगढ़ के सामान्य अस्पताल की मोर्चरी में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखवाया गया है।

पुलिस ने गलियों में भटक रहे मासूमों को परिजनों से मिलवाया

बहादुरगढ़। बीते दो दिनों में स्थानीय पुलिस ने गलियों में भटकते करीब तीन और चार वर्षीय दो बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाया। बच्चों को सकुशल पाकर परिजनों ने भी राहत की सांस ली और पुलिस का धन्यवाद किया। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार और शनिवार को अलग-अलग स्थानों से तीन और चार साल के दो बच्चे पुलिस को मिले। दरअसल, ये बच्चे अकेले और डरे-सहमे हालत में घूम रहे थे। राहगीरों ने जब बच्चों को देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एमआईई चौकी प्रभारी मोनिका अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और बच्चों को संभाला। उन्हें चौकी में लाया गया। चूंकि बच्चे अपना नाम-पता या परिजनों की जानकारी देने में असमर्थ थे, इसलिए पुलिस ने पहले उन्हें खाना खिलाया और उनकी देखभाल की। इसके बाद बच्चों को परिजनों से मिलवाने के प्रयास शुरू किए गए। इस बीच, अपने लापता बच्चों को खोजते हुए परिजन भी पुलिस चौकी पहुंचे।

आर्कषक राखियों से सजे बाजार

झज्जर। रक्षाबंधन पर्व में अब केवल एक सप्ताह शेष रह गया है। बाजार आर्कषक राखियों से सजकर तैयार है। बच्चों के लिए तरह-तरह राखियां भी उपलब्ध है। ...विस्तृत पेज 9 पर

पीड़ित ज्वेलर्स से मिले इनेलो नेता, लूटपाट पर चिंता जताई

बहादुरगढ़। इनेलो नेता भूपेंद्र राठी ने शनिवार को लूट की वारदात के पीड़ित ज्वेलर्स से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि शहर में व्यापारियों के साथ लूट व छीनाझपटी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। शहर थाने से कुछ ही दूरी पर एक शॉप पर चाकू की नोक पर लूट का प्रयास करना चिंतनीय है। उनके साथ रामनिवास सैनी, रोहतास सोनी, महेंद्र सिंह राठी, राज सिंह वर्मा, पार्षद बिजेंद्र दलाल, नरेंद्र राठी, भारत नागपाल, सूरजमल दलाल व हरीश प्रधान आदि ने कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई।

कमर्शियल बिजली बिल पर फिक्स चार्ज को लेकर व्यापारियों में रोष

झज्जर। बिजली निगम द्वारा कमर्शियल बिजली बिलों पर फिक्स चार्ज लगाए जाने पर शहर के व्यापारियों में रोष व्याप्त है। व्यापारियों का कहना है कि वे ईमानदारी के साथ समय पर बिजली बिलों का भुगतान करते हैं। ऐसे में इस प्रकार के अनावश्यक टैक्स लगाकर दुकानदारों के साथ ज्यादती की जा रही है। व्यापार मंडल के शहरी प्रधान राकेश अरोड़ा ने कहा कि बाजार के व्यापारी इस प्रकार का अतिरिक्त टैक्स भरने में असमर्थ हैं। व्यापारियों की मांग है कि दुकानदारों पर डाले गए इस अनावश्यक बोझ को हटाया जाए। उन्होंने बताया कि सोमवार को इस संबंध में शहर के व्यापारी एकत्रित होकर लघु सचिवालय पहुंचेंगे। वे फिक्स चार्ज हटाए जाने की मांग को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा व ऊर्जा मंत्री अनिल विज को ज्ञापन भी भेजेंगे। उन्होंने फिक्स चार्ज पर नाराजगी जताई।

सट्टा खाईवाली करता गिरफ्तार, केस दर्ज

बहादुरगढ़। थाना सेक्टर-6 पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर निवार की पट्टी से सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद आरिफ निवासी दिल्ली के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 2230 रुपये नकद और सट्टा पर्ची बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ सेक्टर 6 थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

आरटीआई से खुलासा : शहरी विकास मंत्रालय के पास मेट्रो के रोहतक की तरफ विस्तार का प्रस्ताव नहीं

बहादुरगढ़। मेट्रो के बहादुरगढ़ बाईपास, जाखोदा या उससे आगे बढ़ने की उम्मीदों को फिलहाल झटका लगा है। बहादुरगढ़ से रोहतक-सांपला की तरफ मेट्रो विस्तार का कोई प्रस्ताव भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय के पास वर्तमान में विचाराधीन नहीं है। यह खुलासा एक्टीविस्ट सतपाल हाड़ा द्वारा जन सूचना अधिकार कानून-2005 के तहत किए गए आवेदन के जवाब से हुआ है। सतपाल हाड़ा ने 6 मई 2025 को भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से 7 बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। दिल्ली मेट्रो का विस्तार होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन से जाखोदा व रोहतक की तरफ करने तथा इसके लिए प्रस्ताव रखने वाले विधायक व सांसद का नाम बताने और इस कार्य पर आने वाली लागत की जानकारी मांगी गई। जवाब आया कि ऐसा कोई प्रस्ताव आवास व शहरी मंत्रालय के पास विचाराधीन नहीं है। ऐसे में लागत और जनप्रतिनिधि का नाम भी मंत्रालय ने शून्य बताया है। सतपाल हाड़ा के अनुसार मेट्रो अपने प्रोजेक्ट का विस्तार दिल्ली के चारों तरफ कर रही है। गुरुग्राम, नोएडा व कुंडली की ओर दिल्ली मेट्रो का कार्य चल रहा है। लेकिन रोहतक की अनदेखी दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि दिल्ली मेट्रो को बहादुरगढ़ के साथ ही झज्जर, रोहतक, जींद व भिवानी के यात्रियों को सुविधा हो रही है। सतपाल हाड़ा ने बताया कि वर्ष 2011 में यातायात मांग सर्वेक्षण के अनुसार 92 हजार 848 यात्रियों का मेट्रो में यात्रा करने का अनुमान लगाया गया था। यह संख्या अब लाखों को पार कर चुकी है। दैनिक रेलयात्रियों द्वारा इसे लेकर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया था। हरियाणा सरकार के योगदान व केंद्र सरकार के अंशदान के साथ करीब 1079 करोड़ की लागत से दिल्ली मेट्रो ने बहादुरगढ़ में प्रवेश किया था। पहले डेडलाइन एक अप्रैल 2016 थी, लेकिन मेट्रो 28 जून 2018 को बहादुरगढ़ आई। दिल्ली मेट्रो ट्रेन की बदौलत बहादुरगढ़, झज्जर व रोहतक के लाखों लोगों को सुविधा हुई है।

विस्तार होना चाहिए : हाड़ा

सतपाल हाड़ा का कहना है कि समय की मांग के अनुसार अब बहादुरगढ़ मेट्रो का विस्तार सांपला-रोहतक तक होना चाहिए। इससे सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा और आम लोगों को सुविधा मिलेगी। दैनिक रेल यात्री हस्ताक्षर अभियान चलाकर शहरी विकास मंत्रालय को रोहतक तक मेट्रो के विस्तार के लिए ज्ञापन भेजेंगे।

सेक्टरों समेत नई रेजिडेंसीज में सबसे ज्यादा कलेक्टर रेट बढ़ा

ग्रामीण इलाके में 10 से 25 प्रतिशत बढ़ोतरी, शहर से सटे गांवों में 15 से 25 फीसद, शहरी क्षेत्र में 5 से 25% रेट बढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बीते कुछ समय से रोटी और कपड़े के साथ ही मकान भी लगातार महंगे होते जा रहे हैं। पहले दिसंबर-2024 में कलेक्टर रेट बढ़े, फिर एक अप्रैल 2025 को कलेक्टर रेट बढ़ाए गए थे और अब एक अगस्त 2025 से पुनः कलेक्टर रेट बढ़ा दिए गए हैं।

मध्यम वर्गीय परिवारों पर संकट

लगातार कलेक्टर रेट बढ़ने के कारण मध्यम वर्गीय परिवार के लिए आशियाने का सपना साकार होना कठिन होता जा रहा है। बता दें कि शहरी क्षेत्र में कमर्शियल जमीन का कलेक्टर रेट 5 से 25 प्रतिशत और गैर कमर्शियल जमीन के कलेक्टर रेट 10 से 25 फीसद बढ़ाए गए हैं। गांवों में कमर्शियल जमीन का कलेक्टर रेट 25 प्रतिशत और नॉन कमर्शियल जमीन का कलेक्टर रेट 15 फीसद बढ़ाया गया है। खेती की जमीन की बात करें तो आसौदा सिवान में 40 प्रतिशत के अलावा तहसील के अन्य गांवों में 10 से 25 प्रतिशत कलेक्टर रेट बढ़े हैं। राजस्व विभाग द्वारा शहरी इलाके में सबसे ज्यादा 20 से 25 प्रतिशत बढ़ोतरी एचएल सिटी, रॉयल ग्रीन, जीनेक्स, माइक्रोटेक, फोर्टेशिया, एमी ग्रीन व हशविप्रा के सेक्टरों में दर्ज हुई। एचएल सिटी में प्लॉट का रेट 39 हजार रुपए तय हुआ है।

शहरी क्षेत्रों में अब ये होगा रेट

शास्त्री नगर, जौहरी नगर, वत्स कॉलोनी, नेताजी नगर, विकास एन्कलेव, बलजीत नगर, बहरानिया बस्ती, विकास नगर, सूरत नगर, छोटूराम नगर, माया विहार, नरसिंह नगर, सुभाष नगर व कमल विहार में रेट बढ़कर 11 हजार 600 रुपए हो गया है। अनाज मंडी, गांधी मार्केट, काठ मंडी, रेलवे रोड, इंद्रा मार्केट व अग्रवाल कॉलोनी में 26 हजार 400 रुपए रेट हो गए। नेहरू पार्क, गुरु नानक कॉलोनी, टीचर कॉलोनी व संत कॉलोनी के रेट बढ़कर 21 हजार 500 रुपए होंगे। मॉडल टाउन में 22 हजार, जटवाड़ा मौहल्ला, महाबीर मंदिर गली, बॉम्बे वाली गली, उत्तम कॉलोनी, कश्मीरी कॉलोनी, जटिया मौहल्ला व झील मौहल्ला में 16 हजार रेट होगा। मेन बाजार, धर्मपुरा, दयानंद नगर, दलबीर नगर, शास्त्री नगर व सैनीपुरा में रेट बढ़कर 19 हजार 800 होंगे। शक्ति नगर, छोटूराम पार्क, किला मौहल्ला, प्रीतम कॉलोनी, बसंत विहार, रणजीत कॉलोनी आदि में 13 हजार 200 रुपए रेट होंगे। मामन विहार, पटेल नगर, सैनिक नगर आदि में 14 हजार रुपए रेट तय हुए हैं। बैंक कॉलोनी, प्रीत कॉलोनी, भगत सिंह कॉलोनी, आनंद नगर, 14 हजार 900 और कुबेर कॉलोनी व दुर्गा कॉलोनी में 12 हजार 600 रुपए रेट तय हुआ है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के आवासीय सेक्टर-2, 6, 7, 9, 9ए, 11 व 13 में रिहायशी प्लॉट के लिए कलेक्टर रेट 10 प्रतिशत बढ़ाए गए हैं।

गांवों में

गांवों में अलग अलग बढ़े रेट

गांवों की बात करें गांव भापड़ोदा, आसंडा, दहकौरा, लोहारहेड़ी, आसौदा टोडरान, लडरावन, परनाला, हसनपुर, बहादुरगढ़, सांखोल, जाखौदा, सराय औरंगाबाद, खेड़का मुसलमान, नूना माजरा, मेहंदीपुर, मांडोठी, साधपुर, जसौर खेड़ी व निलोठी में 10 प्रतिशत, अगरपुर, छारा, रेवाड़ी खेड़ा, मातन, माजरा आसंडा, रोहद, कुलासी, खैरपुर, मुकंदपुर, बामड़ोली, बराही, लोवा खुर्द, सिलोठी, सोलधा, छुड़ानी, खेड़ी जसौर, दुल्हेड़ा व डाबोदा खुर्द में 15 प्रतिशत, गांव कसार, खरहर, कानौंदा, टांडाहेड़ी, खरमाण, बरकताबाद, बालौर व डाबोदा कलां में 20 प्रतिशत, लोवा कलां, इस्सरहेड़ी व सिद्धीपुर में 25 प्रतिशत और सबसे अधिक आसौदा सिवान में 40 प्रतिशत कलेक्टर रेट बढ़ाए गए हैं।

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
JHAJJAR (DELHI-NCR)

NAAC A GRADE

NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION · ACCREDITED BY
B.TECH ME, ECE and MBA

Industry Oriented Curriculum

Degree Conferred by MDU, Rohtak

RANKED #19 In North India | RANKED #39 Pvt. Institutes in India | RANKED #41 Across India | RANKED #62 Placement Across India

Times Engineering Institute Ranking Survey-2025

ADMISSIONS OPEN 2025-26

Applications are invited on prescribed performa from eligible candidates for filling up the Vacant/Leftover Seats/ Tuition Fee Waiver/Economical Weaker Section of B.Tech 1st year courses and B.Tech 2nd year (LEET) courses as per HSTES 2025-26 guidelines and reservation policy. Application performa can be downloaded from the Institute website or can be taken from the admission office. The duly filled Application performa along with necessary documents must be submitted in the Institute admission office.

Particulars	1st Counselling	2nd Counselling
Last Date of Receipt of Applications	04/08/2025	12/08/2025
Physical Reporting and Submission of Fee	05/08/2025	13/08/2025
Daily Basis On-Spot Physical Counselling on first come-first serve basis	------------------	13/08/2025 onwards upto Cutoff date

B.TECH | B.TECH (LEET)
CSE, CSE (DS), CSE (AI & ML), FIRE TECH. & SAFETY, ELECTRICAL MECHANICAL, ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGG., CIVIL

COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS IN FLEXIBLE TIMINGS
B.TECH (FIRE TECH. & SAFETY) | B.TECH (CSE) | M.TECH (CSE) | MBA

8684000891 / 892 / 893 / 906 / 9654292946 | www.gangainstitute.com

नौकरी करने वाले न करें ये फाइनेंशियल गलतियां वर्ना पड़ सकता है पछताना

सुझाव | बिजनेस डेस्क

नौकरीपेशा लोगों के लिए वित्तीय स्थिरता हासिल करना महत्वपूर्ण होता है। लेकिन अनजाने में की गईं कुछ सामान्य गलतियां, बचत और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती हैं। सैलरी बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत और निवेश को नजरअंदाज करना, इमरजेंसी फंड की कमी, और बजट न बनाना जैसी गलतियां आगे चलकर वित्तीय संकट का कारण बन सकती हैं। इन गलतियों से बचकर आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आइए इन पांच वित्तीय गलतियों और उनसे बचने के तरीकों के बारे में जानते हैं।

सैलरी बढ़ने पर खर्च बढ़ाना

सैलरी बढ़ते ही लोग अक्सर अपने खर्चों को भी बढ़ा लेते हैं, जिसे 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन' कहा जाता है। महंगे गैजेट्स, लग्जरी आइटम्स या बार-बार बाहर खाने जैसे फालतू खर्चे आपकी बचत को खत्म कर सकते हैं। इसका समाधान यह है कि अपनी बढ़ी हुई सैलरी का कम से कम 50 फीसद हिस्सा बचत या निवेश में लगाएं। उदाहरण के लिए, अगर आपकी सैलरी में 10,000 रुपये की वृद्धि होती है, तो कम से कम 5,000 रुपये को बचत खाते, म्यूचुअल फंड या अन्य निवेश विकल्पों में डालें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

सैलरी बढ़ने के साथ कई लोग क्रेडिट कार्ड ले लेते हैं और हर छोटी-बड़ी खरीदारी के लिए इसका उपयोग शुरू कर देते हैं। क्रेडिट कार्ड के चार्जेस, लेट फी, और ब्याज दरों की जानकारी न होने पर यह वित्तीय बोझ बन सकता है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग सीमित और सोच-समझकर करें। बिल समय पर चुकाएं और अनावश्यक खरीदारी से बचें। हमेशा अपने क्रेडिट कार्ड की शर्तों, जैसे वार्षिक शुल्क और ब्याज दर, को समझ लें ताकि आप अतिरिक्त खर्चों से बच सकें।

बचत को नजरअंदाज करना

कई लोग सोचते हैं कि बचत और निवेश 30-35 साल की उम्र में शुरू करना चाहिए, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। पहली नौकरी से ही अपनी सैलरी का 20-30 फीसद हिस्सा बचत और निवेश में लगाना शुरू करें। उदाहरण के लिए, सिप (एसआईपी) के माध्यम से म्यूचुअल फंड में छोटी राशि से निवेश शुरू करें, जो लंबे समय में चक्रवृद्धि ब्याज के साथ बढ़ेगा। जल्दी शुरू करने से आपके पास रिटायरमेंट या बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए पर्याप्त धन जमा हो सकता है।

हेल्थ इंश्योरेंस की अनदेखी

इमरजेंसी फंड और हेल्थ इंश्योरेंस को टालना वित्तीय सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकता है। अप्रत्याशित खर्चों, जैसे मेडिकल इमरजेंसी या नौकरी छूटने की स्थिति, के लिए कम से कम 6 महीने का इमरजेंसी फंड जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो 3 लाख रुपये का फंड बनाएं। इसके अलावा, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान लें, जो अस्पताल के खर्चों को कवर करे और आपकी बचत को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण मददगार साबित होगा।

बजट न बनाना

अगर आपको यह नहीं पता कि आपकी सैलरी कहां खर्च हो रही है, तो पैसा जल्दी खत्म हो सकता है। बिना बजट बनाए खर्च करना वित्तीय अनुशासन को तोड़ता है। बजट बनाकर अपने खर्चों को श्रेणियों में बांटें, जैसे किराया, किराना, बचत, और मनोरंजन। उदाहरण के लिए, 50-30-20 नियम का पालन करें। सैलरी का 50 फीसद जरूरी खर्चों पर, 30 फीसद इच्छाओं की पूर्ति करने पर और 20 फीसद बचत व निवेश के लिए आवंटित किया जाना चाहिए। बजट बनाने से आप अनावश्यक खर्चों को कम कर सकते हैं और अपने वित्तीय लक्ष्यों की ओर बढ़ सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन का महत्व

इन गलतियों से बचने के लिए वित्तीय अनुशासन अपनाना जरूरी है। नियमित रूप से अपनी आय और खर्चों की समीक्षा करें, और अपने वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें, जैसे घर खरीदना या रिटायरमेंट प्लानिंग। छोटे-छोटे कदम, जैसे ऑटोमेटेड बचत खाता या एसआईपी , लंबे समय में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अगर आप निवेश के विकल्पों को समझने में नए हैं, तो वित्तीय सलाहकार की मदद लेना फायदेमंद हो सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

25 से 35% की दर से दे रहे हैं रिटर्न, इनकी रेटिंग भी हाई, अगर किसी एमएफ की स्कीम की टॉप रेटिंग है, तो फंड बेहतर विकल्प

निवेश के लिए सबसे सस्ते म्यूचुअल फंड, दिला सकते हैं बढ़िया रिटर्न

स्कीम का एक्सपेंस रेश्यो कम है तो आपके निवेश की लागत कम होगी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय जिन बातों का खास तौर पर ध्यान रखना चाहिए, उनमें उनका एक्सपेंस रेश्यो और रेटिंग भी है। किसी म्यूचुअल फंड स्कीम का एक्सपेंस रेश्यो कम होने का मतलब है कि आपके निवेश की लागत कम होगी। वहीं, म्यूचुअल फंड स्कीम का ट्रैक रिकॉर्ड और निवेश की रणनीति के आधार पर उसकी रेटिंग बनती है। अगर ये दोनों बातें पॉजिटिव हैं, यानी एक्सपेंस रेश्यो बहुत कम है और साथ में फंड को टॉप रेटिंग मिली है, तो इसका मतलब है कि वह फंड बेहतर विकल्प बन सकता है। अगर इसके बाद भी उनके प्रदर्शन को लेकर आशंका है तो हमने ऐसे 7 इक्विटी स्कीम की जानकारी दी है, जिनका एक्सपेंस रेश्यो कम है, रेटिंग मजबूत है और उन्होंने 5 साल की अवधि में हाई रिटर्न भी दिया है। चाहे लम्प सम हो या एसआईपी। आप भी इन पर विचार कर सकते हैं।

बंधन स्मॉल कैप फंड

बंधन स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.39 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 5 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 37.47 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 33.96 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.39%
- रेटिंग : 5 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 37.47% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 33.96% सालाना
- कुल एसेट्स : 12,982 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एडलवाइस स्मॉल कैप फंड

एडेलवाइस स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.42 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 35.10 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 29.52 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.42%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 35.10% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 29.52% सालाना
- कुल एसेट्स : 4,930 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 100 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एडेलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड

एडेलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.43 फीसदी है। इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 24.54 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 21.89 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.43%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 24.54% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 21.89% सालाना
- कुल एसेट्स : 2,802 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 100 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड

इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.44 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 5 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 35.01 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 31.47 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.44%
- रेटिंग : 5 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 35.01% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 31.47% सालाना
- कुल एसेट्स : 7,425 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 500 रुपये

केनरा रोबेको लार्जकैप फंड

केनरा रोबेको लार्जकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.45 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 20.44 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 18.27 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.45%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 20.44% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 18.27% सालाना
- कुल एसेट्स : 16,617 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 5,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

जेएम फ्लेक्सी कैप फंड

जेएम फ्लेक्सी कैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.49 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 27.12 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 24.78 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.49%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 27.12% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 24.78% सालाना
- कुल एसेट्स : 6,144 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एलआईसी म्यूचुअल फंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

एलआईसी म्यूचुअल फंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.50 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है. फंड ने 5 साल में लम्स सम पर 33.78 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 32.20 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.50%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 33.78% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 32.20% सालाना
- कुल एसेट्स : 1,053 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्स सम : 5,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 200 रुपये

किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सोना डिमांड में रहेगा

6 साल में 200% उछला सोना, अगले 5 वर्ष में सवा 2 लाख रु. का हो सकता है 10 ग्राम!

सर्राफा | बिजनेस डेस्क

अगले पांच साल में सोने की कीमतें सवा दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। गोल्ड बाजार के जानकारों का कहना कि सोना से सबसे लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश के तौर पर जाना जाता है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों सोने ने हमेशा से ही अच्छा और सुरक्षित रिटर्न दिया है। इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा।

1 सेफ एसेट के तौर पर जाना जाता है सोना, हर कोई करता है निवेश

एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में सोने की कीमत पिछले 6 साल में 200 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। मई 2019 में सोना 30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, लेकिन जून 2025 तक कीमत बढ़कर करीब 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गई। इस साल की बात करें तो सोने की कीमतों ने 2025 में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 30 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। पिछले 6 साल पर नजर डालें तो एमसीएक्स पर सोने का भाव मई 2019 में लगभग 32,000 प्रति 10 ग्राम था। यह अब बढ़कर लगभग 97,800 प्रति 10 ग्राम हो गया है, यानि कि 200 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि।

अगले पांच साल में सोने की कीमतें सवा दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। गोल्ड बाजार के जानकारों का कहना कि सोना से सबसे लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश के तौर पर जाना जाता है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों सोने ने हमेशा से ही अच्छा और

सुरक्षित रिटर्न दिया है। इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा। लॉन्ग टर्म में संरचनात्मक रूप से ऊंची कीमतों के लिए माहौल अभी भी सपोर्टिव बना हुआ है। पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन में सोने का अहम रोल बरकरार है और आगे भी रहेगा। सोने के भविष्य की बात करें तो किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सेफ एसेट के तौर पर सोना डिमांड में रहेगा। साथ ही इसकी मांग के नए रास्ते भी खुल रहे हैं। जैसे कि कहा जा रहा है कि चीन बीमा क्षेत्र में कथित तौर पर अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का 1% सोने में लगा रहा है।

5 साल में कहां होगी कीमत

एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक एक्सपर्ट का कहना है कि अगले 5 साल के दौरान सोने की कीमतों में शानदार तेजी जारी रह सकती है। भू-राजनीतिक तनाव और ट्रेड वॉर के चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बनी रहने की उम्मीद है। पिछले 5 वर्षों में भारतीय बाजार में सोने का भाव 18% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आगे के 5 सालों के दौरान सोने की कीमतें 2,25,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं।

कंसोलिडेशन का अनुमान

वहीं दूसरी ओर एक एजेंसी की गोल्ड स्ट्रैटेजी रिपोर्ट में कहा है कि सोने की कीमतें अब कंसोलिडेशन फेज यानि ठहराव के दौर में जा सकती हैं। आगे तेजी के लिए किसी बड़े और नए ट्रिगर की जरूरत होगी। अब ज्यादा स्पष्टता का इंतजार करना चाहिए या किसी निर्णायक ट्रिगर का, जो गोल्ड की कीमतों को फिर से पुश करे। इस बीच गोल्ड में कंसोलिडेशन यानी ठहराव का दौर रहेगा। रिपोर्ट में तेजी थमने के पीछे कई अहम कारण बताए गए हैं। जैसे कि इजराइल-ईरान और रूस-यूक्रेन के बीच भूराजनीतिक संघर्ष का असर हल्का पड़ना, टैरिफ वॉर में कमी, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें टलना, केंद्रीय बैंकों की ओर से धीमी खरीदारी और गोल्ड की कीमतें काफी समय से ऊंचे स्तर पर होना।

स्टॉक मार्केट ऊंचाई पर हो तो बंद नहीं करें एसआईपी, संयम बरतें

बिजनेस डेस्क

जब शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है, तो कई निवेशकों के मन में सवाल आता है कि क्या अब सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) रोक देना चाहिए? उन्हें लगता है कि ऊंचे स्तर पर निवेश करने से रिटर्न कम मिल सकता है या घाटा हो सकता है। हालांकि, इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट की राय इसके ठीक उलट है। उनका कहना है कि ऐसा सोचना निवेश की मूल रणनीति के खिलाफ है और इससे लंबे समय में नुकसान हो सकता है। इसलिए जब बाजार ऊंचाइयों पर हो तो निवेशकों को संयम बरतना चाहिए। इससे वे लान्ग टर्म में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और अपने पैसे को बढ़ा सकते हैं। ऐसे समय में निवेशकों को थोड़ा स्मार्ट और चूजी बन जाना चाहिए ताकि, आने वाले समय में परेशानी न हो। इसलिए निवेश बंद न करें और इंतजार करें। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

एसआईपीऔर डिप-बायिंग को साथ चलाना समझदारी

जानकारों का कहना है कि एसआईपी को रोकने की बजाय उसे जारी रखना चाहिए और अगर आपके पास अतिरिक्त रकम है, तो बाजार में गिरावट के दौरान उसमें लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करना बेहतर रहता है। उनके मुताबिक, मासिक बचत एसआईपी के जरिए होनी चाहिए और अगर बाजार गिरता है, तो उसमें अतिरिक्त निवेश किया जा सकता है। इससे लॉन्ग टर्म में फायदा मिलता है। हालांकि, बाजार कब गिरेगा, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। डिप्स को पहचानना मुश्किल होता है, इसलिए निवेशकों के लिए बेहतर रणनीति यह हो सकती है कि वो लंप सम राशि को एसआईपी और डिप-बायिंग दोनों के लिए अलग-अलग हिस्सों में निवेश करें।

2025 में अब तक 1.12 करोड़ एसआईपी बंद

एएमएफआई (एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया) के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से लेकर अब तक करीब 1.12 करोड़ एसआईपी अकाउंट बंद हो चुके हैं। इसका मतलब है कि बहुत से निवेशकों ने बाजार की ऊंचाई देखकर अपनी एसआईपी रोक दी है और बाजार गिरने पर दोबारा शुरू करने की सोच रहे हैं। एसआईपी को रोकना गलत कदम है। उनके मुताबिक, जब बाजार ऊंचा होता है, तो एसआईपी रोकना सही लग सकता है। लेकिन ये कदम फाइनेंशियल गोल्स को नुकसान पहुंचा सकता है। एसआईपी का फायदा यही है कि ये आपको समय पर और बिना भावनाओं के निवेश करने में मदद करता है। भारतीय बाजार ने पिछले 10 सालों में कई बार नई ऊंचाइयां देखी हैं और हर बार वह और ऊपर गया है। अगर लोग हर बार एसआईपी रोकते, तो वे बड़े फायदे से चूक जाते।

उलटी सोच हो सकती है एसआईपी रोकना

एसआईपी को रोकने के फैसले को 'काउंटरइंट्यूटिव' यानी आम समझ के खिलाफ मानते हैं। उनका कहना है कि इतिहास यही बताता है कि जो निवेशक लगातार निवेश करते हैं, वो ज्यादा फायदा कमाते हैं। बार-बार एग्जिट और एंट्री करने से फायदा नहीं होता। वो कहती हैं, एसआईपी का मकसद ये है कि आपकी हर महीने की बचत बाजार में लगती रहे। अगर इसे नियमित और अनुशासित तरीके से किया जाए तो कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। लेकिन कई बार लोग बाजार के मूवमेंट को देखकर एसआईपी बदलने लगते हैं, जो सही नहीं है।

इंस्टाग्राम रील वाली फाइनेंशियल प्लानिंग के साइड इफेक्ट गहरे

सतर्कता | बिजनेस डेस्क

हमेशा पैटर्न यानी ढर्रे पर काम करना बेहद अच्छा होता है चाहे वह वह जिंदगी से जुड़ा हो, काम हो या पैसे से जुड़ा मामला। शायद इसी वजह से कुछ खास नियम हमेशा याद रखने चाहिए। वैसे हम सभी के साथ ऐसा होता है। पहला पैसा से जुड़ा नियम जो तुरंत समझ आया, वह नियम है 72 का नियम। यह बहुत ही सीधा और सरल होता है। आप 72 को उस ब्याज दर से भाग देते हैं जो आपको निवेश पर मिल रही है, और जो संख्या आएगी, वह बताएगी कि आपके पैसे को दोगुना होने में कितने साल लगेंगे। उदाहरण के लिए, अगर आपका निवेश 15 प्रतिशत रिटर्न दे रहा है, तो आपका पैसा लगभग 5 साल में दोगुना हो जाएगा। सीधा है ना? यही कारण है कि यह नियम हमेशा ज़ेहन में रहता है। लेकिन आपको पता है, पिछले 3 से 4 सालों में बहुत सारे ऐसे नियम ऐसे आएं है जो चौकाने वाले हैं। जैसे रील्स, इन्फोग्राफिक्स, न्यूज़लेटर में लेकिन उनमें से एक भी मेरे दिमाग में टिक नहीं पाया जैसे रूल ऑफ 72 था। सच कहें तो बहुत सारे नंबर और फॉर्मूले सामने आ गए हैं।

इंस्टाग्राम पर दिखने वाले फाइनेंशियल रूल्स सुनने में आसान और रोचक जरूर हैं

इंस्टाग्राम फाइनेंस

जानकारों का कहना है कि शायद यही कारण था कि 2016 के आसपास जब इंस्टाग्राम फाइनेंस की शुरुआत हुई, तो वह बहुत तरोताजा और नया लगा। तब लोग ऐसे मनी टिप्स शेयर कर रहे थे जो सरल और अपनाने लायक लगते थे। मुझे आज भी याद है मैंने सोचा था 'ये नियम तो वाकई समझ में आते हैं।' इंटरनेट सस्ता और तेज हो गया था। क्रिएटर्स की रचनात्मकता के कारण फाइनेंस अब आम लोगों तक पहुंचने लगा था। 2019 से 2021 के बीच कुछ फाइनेंस क्रिएटर्स के साथ काम किया और उनके लिए ऐसे स्क्रिप्ट्स भी लिखे जो पर्सनल फाइनेंस को आसान और समझने लायक बनाते थे। कुछ पोस्ट वायरल भी हुए। कुछ टिप्स काफी स्मार्ट लगे। लेकिन फिर धीरे-धीरे मुझे एक बात खटकने लगी। ये सब दिखने में तो बहुत प्रैक्टिकल थे, लेकिन असल जिंदगी में ये ज़्यादातर काम नहीं करते थे।

नियम चले सोशल मीडिया पर, ज़िंदगी में नहीं

सोशल मीडिया पर फाइनेंस की बातें एक संरचना देती हैं। लोगों को लगता है कि एक निश्चित तरीका है, जिससे सब ठीक हो जाएगा। पैसे को लेकर लोग अस्थिरता और चिंता रखते हैं। तो जब कोई कहता है इस एक नियम को फॉलो करो और कंट्रोल आप के हाथ में हो जाएगा, तो यह तुरंत राहत देता है। यह मानसिक रूप से उस स्थिति से जुड़ता है, जिसे साइकोलॉजी में कॉग्निटिव क्लोजर कहते हैं। यह उस मनोवैज्ञानिक झुकाव को दर्शाता है, जिसमें हमारा दिमाग स्पष्ट उत्तर से बेहतर महसूस करता है, भले ही वह उत्तर बहुत सरलीकृत ही क्यों न हो। एक और विचार है नियंत्रण का भ्रम सिर्फ इक नियम फॉलो करने से जैसे किसी विशेष प्रतिशत बचाना या केवल एक तय खर्च श्रेणी के भीतर रहना, लोग सोचते हैं कि वे जीवन पर नियंत्रण कर रहे हैं। यह एहसास, चाहे अस्थायी ही सही, सील अनुभूति देता है। लगता है आप सही दिशा की ओर बढ़ रहे हैं।

बुनियादी सच भूल रहे नियम

आपके खर्च हर महीने साफसुथरे प्रतिशत की तरह व्यवस्थित नहीं होते। आपकी आमदनी एक समय स्थिर हो सकती है और फिर बदल सकती है। परिवार की जिम्मेदारी आ सकती है। किराया बढ़ सकता है। कोई स्वास्थ्य समस्या रुकावट ला सकती है। या कभी-कभी आपको बस ब्रेक की जरूरत हो सकती है। 500 प्रतिदिन बचाएं या 503020 वाला बजट विभाजन जैसे नियम इन बदलावों के लिए जगह नहीं छोड़ते। ये ऐसे बनाए गए हैं मानो जीवन एक सीधी रेखा हो। एक और विचार है जिसे अक्सर सोचा जाता है। मोरल लाइसेंसिंग कभी व्यक्ति एसआईपी ऑटोमेट करने का नियम फॉलो करता है या कुछ हफ्तों तक बजट में रहता है, और फिर वही अच्छा महसूस करना उसे कहीं और ढील देने का बहाना दे देता है। यह मैं अच्छा कर रहा था, अब थोड़ा आराम का चक्र बनाता है। नियम समय-समय पर फिर से शुरू करने वाला जैसे ट्रेडमिल बन जाता है। ऍनकरिंग नामक एक असर होता है जहां कोई संख्या जैसे 30% या 500 एक मानक बन जाती है। यदि आप उस मानक पर नहीं ठहर पाते, तो ऐसा लगता है जैसे आप असफल हो गए हैं। भले आपके फैसले पूरी तरह से उपयुक्त हों, फिर भी आपको लगता है कि आप कुछ गलत कर रहे हैं। यह लगातार तनाव जोड़ता है और व्यक्ति वैध निर्णयों पर ही शक करने लगता है।

क्या मदद कर सकता है

मेरे विचार में ज़्यादातर लोगों को एक और नया नियम नहीं चाहिए। इससे ज़्यादा मदद करती है कुछ आसान सवाल पूछना, जो आपकी ज़िंदगी की असल हालत को ध्यान में रखते हैं। मुझे हर महीने कितना चाहिए ताकि मैं स्थिर महसूस कर सकूं? इसमें किराया, बिल, राशन आदि शामिल हैं। जो बैंक बैलेंस देखते समय चुप्पी में आने वाले घबराहट को रोकते हैं। यह संख्या जानने से आपकी चिंता थोड़ी कम होगी, पूरी समस्या हल नहीं होती लेकिन राहत जरूर मिलती है। मैं अभी किस समस्या का हल ढूंढ़ रहा हूं। कुछ महीने आप बचत करना चाहते हैं, कुछ महीने घर की देखभाल करनी पड़ सकती है, कुछ महीने सिर्फ शांति की जरूरत होती है। आपकी पैसे की आदतें आपके जीवन के पड़ावों के अनुसार बदल सकती हैं और इसमें कोई गलत नहीं है। मैं क्या ऑटोमेट कर सकता हूं, बिना घबराए? चाहे 2,000 की एसआईपी हो या खर्च देखने के लिए हफ्ते में एक रिमाइंडर एक ऐसी चीज चुनें जो एक लय बनाने में मदद करे। जरूरी नहीं कि सब कुछ 500/दिन जैसा सख्त हो यह कोई जिम की मेंबरशिप नहीं है जिसे आप अगले हफ्ते भूल जाएं। सच्चाई यह है कि छोटे और लगातार प्रयास बेहतर काम करते हैं, बजाय पूर्णता और तनाव के। पैसा हो या जीवन, अभी कहानी बाकी है (जैसा एसआरके ने कहा था 'ओम शांतिओम' में) और आप ही तय करेंगे कि अगला दृश्य कैसा होगा।

खबर संक्षेप

श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 30 हजार करने की मांग

बहादुरगढ़। हरियाणा में श्रमिकों का न्यूनतम वेतन पुनः निर्धारण करने की प्रक्रिया में एआईयूटीयूसी ने श्रमायुक्त हरियाणा को ई-मेल कर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसमें प्रदेश में श्रमिकों का न्यूनतम कम से कम 30 हजार रुपये मासिक करने की मांग की गई है। एआईयूटीयूसी के सतीश कुमार ने बताया कि श्रम विभाग हरियाणा ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन पिछले 10 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद रिवाइज करने की प्रक्रिया शुरू की है। जबकि कानूनन प्रत्येक 5 वर्ष में यह पुनः निर्धारित हो जाना चाहिए। इससे श्रमिकों को काफी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। न्यूनतम वेतन रिवाइज कमेटी द्वारा गत 18 जुलाई को गुरुग्राम में बुलाई गई मीटिंग में संगठन ने अपने सुझाव रखे थे। उसी कड़ी में प्रदेश सचिव हरिप्रकाश ने लिखित प्रतिवेदन पेश किया गया है।

बच्चों के लिए कार्टून व लाइटिंग वाली राखियां भी उपलब्ध

रक्षाबंधन पर्व को लेकर आकर्षक राखियों से सजे बाजार

■ स्टोर पर दस रुपये से लेकर 150 रुपये तक की राखियां उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। राखी पर इस्तेमाल होने वाला थाली सेट व बच्चों की कार्टून वाली राखियां।

रक्षाबंधन पर्व में अब केवल एक सप्ताह शेष रह गया है। बाजार आकर्षक राखियों से सजकर तैयार है। बच्चों के लिए कार्टून व लाइटिंग वाली राखियां भी उपलब्ध है। दुकानदार मोहित गर्ग ने बताया कि उनके स्टोर पर दस रुपये से लेकर 150 रुपये तक की राखियां उपलब्ध हैं, जो विभिन्न डिजाइनों और प्रकारों में मौजूद हैं। उनका मानना है कि जैसे-जैसे रक्षा बंधन का दिन नजदीक आएगा, बिक्री में बढ़ोतरी होगी। राखी विक्रेता अमित, अशोक कुमार, बारिश कुमार और यतिन ने बताया कि इस साल के राखी सीजन में कुछ खास प्रकार की राखियां लोगों द्वारा पसंद की जा रही हैं। इनमें लेडीज लुंबी, भैया-भाभी की पेयर राखी, बच्चों के लिए छोटा भीम, डोरीमोल, मोटू-पतलू और लाइटिंग वाली राखियां शामिल हैं। इसके अलावा पुरुषों के लिए ब्रेसलेट वाली राखियां भी काफी आकर्षक लग रही हैं। बाजार में राखियों के प्रकार और कीमतों का विविधता से भरा होना, उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रहा है। बच्चों के लिए कार्टून व लाइटिंग वाली राखियां अबकी बार बच्चों के लिए विभिन्न कार्टून से संबंधित लाइटिंग वाली राखियां आकर्षण का केंद्र बनी है। इनमें जहां नौनिहालों के लिए रबड़ वाली राखियां शामिल हैं वहीं छोटा भीम, मोटू-पतलू, डोरीमोल, बाल गणेशा आदि राखियों को अभिभावकों द्वारा पसंद किया जा रहा है। शनिवार को भी बाजार में राखी खरीदने वाले ग्राहकों की भीड़ रही। महिलाएं अपने भाईयों के लिए राखियां खरीदती नजर आई।

भैया-भाभी के लिए पेयर राखी

बाजार में स्टोन व ब्रसलेट वाली राखियों के अलावा भैया-भाभी के लिए एक पेयर राखी सेट भी उपलब्ध है। इस राखी सेट में जहां एक राखी को महिलाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है वहीं दूसरी राखी पुरूषों के हाथों पर खूब जमेगी। ग्राहकों द्वारा इस प्रकार की राखियों को भी पसंद किया जा रहा है। इसके अलावा आजकल एक सौ से डेढ़ सौ रुपये की कीमत तक के थाली सेट भी बाजार में उपलब्ध है जिनमें रोली व चावल डालने के लिए अलग से डिबिया भी बनाई गई हैं।

स्कूलों में राखी का महत्व समझाया

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के नई बस्ती सेवा केंद्र की ओर से विवेक विद्या सदन स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व आध्यात्मिक वातावरण में हर्षोल्लास से मनाया गया। बीके अमृता दीदी ने छात्रों को रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य से अवगत कराया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को राखी बांधी और ईश्वरीय प्रेम से युक्त प्रभु प्रसाद भी वितरित किया।

बहादुरगढ़। कार्यकर्ताओं संग पीएम मोदी का कार्यक्रम देखते राम अहलावत।

किश्त जारी होने पर पीएम का जताया आभार

बहादुरगढ़। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किश्त जारी कर दी गई है। इस बार 20 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि देशभर के 9.7 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में सीधे ट्रांसफर की गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष राम अहलावत ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। मोदी सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने किसानों से इस आर्थिक सहायता का सदुपयोग करने की अपील की और कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हित में लगातार योजनाएं ला रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का भी आभार व्यक्त किया।

परीक्षा में अव्वल रहने वाली विजेता छात्राएं की गई पुरस्कृत

बहादुरगढ़। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सर्व शिक्षा अभियान के तहत कंप्यूटर ज्ञान पर आधारित एक प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा में अव्वल रहने वाली पांच-पांच छात्राओं को राजबीर दहिया द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय में एक पेंटिंग प्रतियोगिता भी हुई। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल प्रवीण ने कहा कि बच्चों में छिपी प्रतिभाएं पहचानने और तराशने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सर्व शिक्षा अभियान की संस्थापक निशा राठी व सदस्य पवन छिल्लर तथा स्कूल स्टाफ की उपस्थिति में किया गया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में स्वच्छता शपथ दिलाते रेलवे अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

रेलवे स्टेशन पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बहादुरगढ़। भारत सरकार के रेलवे विभाग द्वारा इंडिपेंडेंस डे सेलिब्रेशन के अंतर्गत 15 दिन तक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान शहर के रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में आमजन को जागरूक किया गया। रेलवे के सीनियर डीईआरएसओ आत्मजीत सिंह और डिप्टी सीओएम कोचिंग महेश यादव के साथ रेलवे स्टेशन के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर स्वच्छता को लेकर शपथ ली।

न्यूज डायरी

गोशालाओं में सेवा कर इनसो मनाएगी स्थापना दिवस

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जेजेपी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। इनसो अपना स्थापना दिवस गोशालाओं में गऊओं की सेवा में कर मनाएगी। जेजेपी कार्यकर्ता जिले की गोशालाओं में जाकर गऊओं की सेवा करेंगे और जनहित के लिए पार्टी को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लेंगे। यह बात जेजेपी के जिला प्रभारी कर्नल एसएस राठी ने पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के रूबरू होकर कही। उन्होंने कहा कि जेजेपी का हमेशा ही संकल्प सेवाभाव का रहा है। पार्टी चाहे सत्ता में हो या फिर सत्ता से बाहर जेजेपी का प्रयास रहता है कि जनहित के मुद्दों पर काम हो और वह योजनाएं आगे बढ़ाई जाए। जिससे आम आदमी का भला होता हो। उन्होंने कहा कि इनसो का स्थापना दिवस पांच अगस्त को मनाया जाएगा। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश जाखड़, जिलाध्यक्ष संजय दलाल, पूर्व जिलाध्यक्ष उपेन्द्र कादियान, जिला प्रवक्ता विकास पाराशर, नसीब भारतीय, झज्जर हलकाध्यक्ष मिंटू ठेकेदार, बादली हलकाध्यक्ष धर्मेंद्र गूलिया, बहादुरगढ़ हलकाध्यक्ष संदीप अहलावत, बहादुरगढ़ हलका प्रभारी राजू दलाल सहित अन्य भी मौजूद रहे।

मैथ ओलंपियाड में इंडो अमेरिकन के विद्यार्थियों ने जीते मेडल

झज्जर। अध्यापिकाओं के साथ मंच पर उपस्थित ओलंपियाड के विजेता विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। इंडो अमेरिकन स्कूल के विद्यार्थियों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित मैथ ओलंपियाड में बेहतरीन प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उनके संस्थान के छात्र यक्ष ने गोल्ड मेडल के साथ प्रोत्साहन राशि पुरस्कार भी प्राप्त किया। छात्र ऋषभ और आयुष ने सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस के साथ-साथ गिफ्ट वाउचर प्राप्त किए। इनके अलावा अक्षिता, नारायण, परी, निलांशी, दक्ष, साक्षी, हुनर और राघव ने मैथ ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर उन्होंने स्कूल स्टॉफ सदस्यों को बधाई देते हुए ओलंपियाड के उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल प्रबंधन द्वारा सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

पुलिस की टीमें नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक कर रही

झज्जर। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस टीम।

झज्जर। जिला पुलिस की विभिन्न टीमें डोर टू डोर जाकर आमजन को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में शनिवार को उप निरीक्षक बिरेंद्र कुमार की टीम ने गांव ढाकला ग्रामीणों ने नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नशा एक अभिशाप है। हमें इससे बचना चाहिए और अगर हमारे आसपास में कोई नशा करता है तो हमें उसको समझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे के आदी व्यक्तियों की सूचना पुलिस को दें, पुलिस द्वारा ऐसे व्यक्तियों का नागरिक अस्पताल में उपचार करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि नशा छोड़ने से बहुत से अपराध कम होते हैं और अपराध कम होने से समाज में शांति और भाईचारा बनता है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। शिक्षिका के साथ उपस्थित थाली डेकोरेशन प्रतियोगिता की छात्राएं।

झज्जर। संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में शनिवार को फ्रेंडशिप डे के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने कार्ड मेकिंग, हैंड बैड मेकिंग, कैंडल्स और दीया एंव थाली डेकोरेशन जैसी गतिविधियों में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्राचार्या श्वेता कौशिक ने कहा कि अच्छे मित्र अनमोल रत्न के समान होते हैं। दोस्तों की संगत व्यक्ति के भविष्य को प्रभावित करती है। अच्छी सोच व आदतों वाले दोस्त व्यक्ति के व्यक्तित्व व जिंदगी को संवारने में सहायक होते हैं। वे जीवन की हर परिस्थिति में साथ देते हैं। उन्होंने बताया कि बगैर दोस्तों के जीवन नीरस रहता है। सच्ची मित्रता औषधि के समान होती है, जो पीड़ा और कष्ट को दूर करके हमारे जीवन को खुशियों से भर देती है। प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

आमजन के लिए वरदान साबित हो रही आयुष्मान भारत योजना : सीएमओ

■ योजना के अंतर्गत गंभीर बीमारियों का उपचार पूरी तरह नि:शुल्क किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। घुटना प्रत्योरोपण के बाद रतिदास का हाल पूछते हुए सीएमओ डॉक्टर जयमाला।

स्थानीय नागरिक अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शनिवार को मेवात निवासी एक बुजुर्ग के दाहिने पैर का घुटना प्रत्यारोपण कर सफलतापूर्वक किया गया। सफल ऑपरेशन के बाद सीएमओ डॉक्टर जयमाला ने अस्पताल पहुंच कर मेवात के जौरासी गांव निवासी करीब 64 वर्षीय रतिदास पुत्र बेगूराम का हाल-चाल पूछा। आमजन को दिए संदेश में उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए एक वरदान साबित हो रही है। योजना के अंतर्गत गंभीर बीमारियों का उपचार भी पूरी तरह निःशुल्क किया जा रहा है। उन्होंने अस्पताल में अधिकारियों और चिकित्सकों के साथ बैठक कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की और निर्देश दिए कि आमजन तक योजनाओं का लाभ समय पर और सुचारू रूप से पहुंचे। इस मौके पर उप सिविल सर्जन डॉक्टर टीएस बागड़ी, मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉक्टर नरेश दहिया, सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर अजय सिंगला, उप अधीक्षक डॉक्टर यशपाल, डॉक्टर सुरेंद्र दहिया, डॉक्टर आकृति हुड्डा, नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर मीनू सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

फिक्स्ड चार्ज बढ़ाने के विरुद्ध दायर करेंगे याचिका

बहादुरगढ़। शनिवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल हरियाणा इंडस्ट्रियल एसोसिएशंस (चिया) की ऐडहॉक कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक गणपति धाम स्थित कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज के कार्यालय में हुई। बैठक के दौरान बिजली दर में फिक्स्ड चार्जेस व यूनिट रेट की अत्यधिक वृद्धि पर चर्चा हुई। बैठक में चिया के संयोजक अशोक कोहली, कर्नल राज सिंगला, कुंडली से सुभाष गुप्ता, गुरुग्राम से दीपक मैनी, राई से राकेश छाबड़ा, सोहना से आरपी खताना, विनोद गुप्ता, अश्वनी कुमार, राकेश बाटला, सचिन छोकरा, कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, विपिन बजाज, प्रदीप कौल, सुरेंद्र वशिष्ठ, अशोक कुमार मित्तल, पुरुषोत्तम गोयल, तिलक राज गर्ग व सुनील गर्ग आदि ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यूएचबीवीएनएल द्वारा बिजली दरों और फिक्स्ड चार्ज में की गई अनुचित वृद्धि के खिलाफ एक संयुक्त याचिका दायर की जाएगी। यह याचिका अगले सप्ताह तक दायर करा दी जाएगी। उद्यमियों के अनुसार फिक्स्ड चार्ज बढ़ाने की बजाय प्रति यूनिट दर में 10 से 20 पैसे की सीमित वृद्धि की जाए। या फिर न्यूनतम चार्ज सिस्टम (एमएमसी) को पुनः लागू किया जाए।

बहादुरगढ़। विद्यार्थी को बैज लगाते एसीपी दिनेश कुमार। फोटो :हरिभूमि

स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन

बहादुरगढ़। श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल के प्रांगण में शनिवार को अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल ललिता व मुख्य अतिथि एसीपी दिनेश सांगवान ने किया। इस दौरान इंस्पेक्टर सतीश कुमार व एसआई सत्यप्रकाश भी मौजूद रहे। नवगठित छात्र परिषद के हेड बॉय, हेड गर्ल, डिप्टी हेड बॉय व डिप्टी हेड गर्ल को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानपूर्वक बैज प्रदान किए गए। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा प्रस्तुत हरियाणवी लोकनृत्य, देशभक्ति गीत, नाट्य प्रस्तुति और योगा आदि का प्रदर्शन किया गया।

झज्जर। कार्यशाला के दौरान उपस्थित युवा। फोटो :हरिभूमि

युवाओं को दी डिजिटल भारत अभियान की जानकारी

झज्जर। इंडेप्थ विजन फाउंडेशन तथा सेवा ट्रस्ट यूके-इंडिया द्वारा शनिवार को डिजिटल भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। शहर की एक निजी कंप्यूटर अकादमी में आयोजित इस कार्यशाला में करीब 80 युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित अधिवक्ता दीपक खत्री ने कहा कि यह अभियान भारत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यशाला के दौरान संस्था प्रतिनिधि पूनम देशवाल, अकादमी निदेशक नरेंद्र व मनोज कुमार ने डिजिटल भारत अभियान की उपयोगिता, लाभ एवं भविष्य में युवाओं के लिए संभावित अवसरों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विकास धनखड़, पिंकी, सुनीता, अजय, जितेंद्र, खुशी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

कुष्ठ उन्मूलन अभियान चलाकर शहरी क्षेत्र में की जा रही लोगों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। शहरी क्षेत्र में लोगों की कुष्ठ रोग की जांच करते हुए टीम सदस्य।

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों में कुष्ठ रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। आगामी 14 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत जिले के स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर -घर जाकर कुष्ठ रोग की स्क्रीनिंग की जा रही है। सीएमओ डॉक्टर जयमाला ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 118 सर्वे टीमों का गठन किया गया है, प्रत्येक टीम में एक आशा वर्कर्स और एक पुरुष वॉलंटियर को शामिल किया गया है। ये टीमें जिले की लगभग सवा दो लाख शहरी आबादी की जांच करेंगी। अभियान की गुणवत्ता और सुचारू संचालन के लिए 23 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। सीएमओ द्वारा सभी टीमों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रत्येक घर में जाकर बारीकी से जांच करें, ताकि संभावित कुष्ठ रोगियों की समय रहते पहचान की जा सके। उप सिविल सर्जन डॉ. निधि ने बताया कि कुष्ठ रोग एक सामान्य संक्रामक रोग है, जो किसी को छूने, साथ बैठने या खाने से नहीं फैलता। यदि शरीर पर लाल चकत्ते, गांठें, नसों में झनझनाहट या त्वचा में सुन्नपन जैसे लक्षण दिखाई दें, तो व्यक्ति को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करना चाहिए।

बाबा कांशी गिरी महाराज मंदिर परिसर में चल रही शिव पुराण कथा

शांत रहना भगवान महादेव की सबसे बड़ी पूजा : कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हर समस्या का समाधान शांत मन से होता है। गुस्से को त्यागना सबसे बड़ी साधना है। मन को नियंत्रण कर लो, जीवन सुधर जाएगा। यह बात बाब कांशी गिरी महाराज मंदिर परिसर में चल रही शिव पुराण कथा में कथा वाचक पंडित पवन कौशिक ने प्रवचन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जीव मात्र को पावन करने वाली शिव कथा हैं। थोड़ी सी भक्ति करने से प्रसन्न होने वाले महादेव है। महादेव की कथा शांति देने वाली हैं। शांत रहना महादेव की सबसे बड़ी पूजा है। महादेव ने पार्वती से कहा जो मौन रहता हैं मुझें अधिक प्रिय है। इस दौरान संगीता वर्मा, पूनम छाबड़ा, आशा ग्रोवर, संतोष हंस, किरण अरोड़ा, शशी खत्री, उषा काठपालिया, इंदू भूगड़ा ने भोले मेरी नैया को भव पार लगा देना..उमा गुलाटी, आशा ग्रोवर ने मेरे भोले बाबा आओ मेरे मकान में..सुषमा गोसाई, उषा काठपालिया, संतोष हंस ने जरा चल के वृंदावन देखो श्याम झूला झुलाते मिलेंगे..भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर नारायणी सरदाना, आंचल सेठी, कमल लता शर्मा, हर्ष चावला, संतोष अरोड़ा, इंदू शर्मा, किरण अरोड़ा, उमा गुलाटी, सृष्टि रंजन, यशिका रंजन सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर में भजनों का आनंद लेते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

इस्कॉन मंदिर में संपन्न हुई तीन दिवसीय कथा

बहादुरगढ़। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के तत्वावधान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का तीसरे दिन शनिवार को समापन हो गया। कथा व्यास रुक्मिणी कृष्ण प्रभुजी ने श्रीकृष्ण की लीलाओं और भक्तियोग के गूढ़ रहस्यों को

सरलता से समझाया। रविवार 3 अगस्त को मंदिर परिसर में नौका विहार कार्यक्रम होगा। लाइनपार स्थित इस्कॉन मंदिर में कथा व्यास रुक्मिणी कृष्ण प्रभुजी ने कहा कि बद्ध जीव अपने पिछले पापों के परिणामों के कारण पाप कर्मों में अधिक लिप्त हो जाता है। परम भगवान श्री कृष्ण के अभिन्न अंग के रूप में अपनी स्वाभाविक स्थिति को अधिकाधिक भूल जाता है। अपने आध्यात्मिक स्वरूप को भूल जाने के कारण वह स्वयं को अस्थायी भौतिक शरीर तथा उसकी सामग्री के साथ पहचान लेता है। इस प्रकार प्रेमपूर्वक कृष्ण की सेवा करने की बजाय वह भगवान की सीमित सांसारिक शक्ति, माया की सेवा करने के लिए बाध्य होता है। जीव कभी भी अस्तित्व की किसी भी अवस्था में चाहे वह बद्ध हो या मुक्त, स्वतंत्र नहीं होता। लेकिन जब वह माया के वश में होता है तो कष्ट भोगता है। जब वह कृष्ण के वश में होता है, तो वह भगवान तथा उनके भक्तों की संगति में जीवन का आनंद लेता है। कथा के दौरान सुंदर गिरधारी प्रभु, मनोहरमुरारी प्रभु, मधुशंका प्रभु, राजेंद्र प्रभु और योगेंद्र पांडे प्रभु आदि मौजूद रहे।

सूचना

मैं, मनबीर पुत्र मेहर सिंह, निवासी गांव बिरधाना तहसील व जिला झज्जर बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अरमान मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिए मैं उसे अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें मेरी व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेवारी ना होगी।

खबर संक्षेप

छुड़ानी के राजकीय स्कूल में लगा शिविर

बहादुरगढ़। योग- प्रायाणाम और देशभक्ति से बच्चों को प्रेरित करने के लिए छुड़ानी गांव के राजकीय उच्च विद्यालय में योगाचार्य जगदीश सहवाग द्वारा निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य विरेन्द्र सिंह ने की। आचार्य जगदीश ने कहा कि हम सभी के मन में देशभक्ति का भाव सर्वोपरी होना चाहिए। इस अवसर पर सरपंच विनोद सहवाग, रविंद्र, प्रवीण कुमार, विपिन, विनोद कुमार शास्त्री आदि उपस्थित रहे।

शहर में नालों की सफाई का लिया जायजा

बहादुरगढ़। नप चेयरपर्सन सरोज राठी के पति रमेश राठी ने शहर में नाला सफाई के कार्य का जायजा लिया। उन्होंने झज्जर रोड, रोहतक रोड, बराही रोड, सेक्टर-6, सेक्टर-7 और नजफगढ़ रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर नाला सफाई कार्य की प्रगति जांची। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या को देखते हुए नालों की सफाई करवाई जा रही है।

बंगलौर के लिए रवाना हुई वाटरपोलो टीम

बहादुरगढ़। हरियाणा की टीम 41वीं सब जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए बंगलौर रवाना हो गई। हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने बताया कि बंगलौर के बासावनगुड़ी एक्वेटिक सेंटर में 4 और 5 अगस्त होने वाली प्रतियोगिता के लिए 4 लड़के और 7 लड़कियों का चयन हुआ था। दो लड़कियों का चयन रिले टीम में हुआ है। इनमें आसवी शर्मा, एषणा चौहान, सेजल अनेजा, प्रतीक्षा व्यास, अलायका ठाकरान, इराज सहरावत, आरेज आशिफ, धवल ठाकुर, सेरेना सरोहा, इरा तनेजा, उज्वल यादव, वीरांगना और वाणी शामिल हैं।

आर्य समाज का मासिक वैदिक यज्ञ-सत्संग आज

झज्जर। आर्य समाज द्वारा रविवार को मासिक वैदिक यज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आर्य समाज के महामंत्री लाला प्रकाशवीर आर्य ने बताया कि कार्यक्रम के पहले चरण में यज्ञ ब्रह्मा ब्रह्मचारी इंद्रजीत द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण कर यज्ञ कराया जाएगा। कार्यक्रम के दूसरे चरण में वैदिक सत्संग व प्रवचन होंगे, जिसमें नेहरू कॉलेज के रिटायर्ड प्रिंसिपल होशियार सिंह यादव मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करेंगे।

जलभराव बना आफत, कॉलोनियों और सरकारी परिसरों में भरा पानी

शहर की नीमआली कॉलोनी के हालात बद से बदतर, लोग घरों में दुबकने को मजबूर

लघुसचिवालय परिसर का पार्क

नीमआली कॉलोनी

■ लोगों को हो रही परेशानी, निकासी की कोई खास व्यवस्था नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नागरिक अस्पताल परिसर

कोर्ट परिसर में जाने वाला मार्ग

कई दिनों से हो रही बरसात के कारण शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हुआ जलभराव लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थिति यह है कि मुख्य मार्गों, पार्कों, रिहायशी क्षेत्रों से लेकर सरकारी परिसरों में भी जलभराव हो रखा है। लेकिन प्रशासनिक स्तर पर ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे पानी निकासी की समुचित व्यवस्था हो सके। शहर की नीमआली कॉलोनी के हालात बद से बदतर है। लोग अपने घरों में दूबकने को मजबूर है। लोगों का कहना है कि जलभराव के कारण जहां मच्छर पनप रहे है, वहीं प्रतिदिन निकल रहे जहरीले जीवों का भी खतरा बन रहा है। नप प्रशासन द्वारा पानी निकासी के लिए पंपसेट तो लगाए गए है, लेकिन वे पंपसेट नाकाफी साबित हो रहे है। लघुसचिवायल परिसर, नागरिक अस्पताल सहित कई सरकारी संस्थान ऐसे है। जहां पर प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आगमन होता है। वहां पर भी पानी भरा हुआ है। जिसके कारण आमजन के अलावा स्टॉफ कर्मचारियों को परेशानी हो रही है। ऐसे में प्रशासनिक स्तर पर जल निकासी के किए जा रहे दावों की भी पोल खुलती हुई दिखाई दे रही है।

बहादुरगढ़। हवन के अंत में आरती करते पदाधिकारी, स्टॉफ व छात्राएं।

वैश्य कॉलेज में यज्ञ से नए सत्र का शुभारंभ

■ पंडित जुगल किशोर शास्त्री ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय बहादुरगढ़ में 55वें नवसत्र का शुभारंभ यज्ञ के साथ हुआ। बहादुरगढ़ शिक्षा सभा के पदाधिकारियों और कॉलेज स्टॉफ ने वैदिक मंत्रों के साथ आहुति डालते हुए छात्राओं के सुखद भविष्य की कामना की। पंडित जुगल किशोर शास्त्री ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

नया सीखने की जरूरत

कार्यक्रम की अध्यक्षता बहादुरगढ़ शिक्षा सभा के प्रधान श्रीनिवास गुप्ता ने की। उनके अनुसार छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए कॉलेज हर संभव सुविधाएं देने के लिए कृतसंकल्प है। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि समाज व राष्ट्र की उन्नति का निर्धारण छात्राओं की शिक्षा तय करती है। स्वयं का मूल्यांकन कर नया सीखने की जरूरत है। छात्राएं पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों से भी जुड़ें। अपनी ऊर्जा का सदुपयोग करें। उपप्रधान प्रेमचंद बंसल ने कहा कि छात्राएं सुनहरे भविष्य के लिए कठोर परिश्रम करें। राजपाल शर्मा ने नवप्रवेशित छात्राओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि मेहनत का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। मेहनत से ही सफलता मिलती है। सत्यनारायण अग्रवाल ने छात्राओं को लगातार मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। आईक्यूएसी प्रभारी सुजाता वर्मा ने छात्राओं के सर्वांगीण विकास की कामना की।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मनीष जिंदल, आशीष कुमार, यशपाल गांधी, एमसी जोशी, एसके अग्रवाल, जयभगवान लोहिया, मदन कुमार, सुरेश अग्रवाल, गजानंद गर्ग, पवन कुमार व सुभाष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

नगर परिषद ने चलाया सफाई अभियान

■ सड़क किनारे जमा मिट्टी, कचरे, घास, झाड़ियों और नालों के पास फैले मलबे को किया साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। अभियान के तहत की जा रही साफ सफाई। फोटो : हरिभूमि

बरसात के मौसम में जलभराव और गंदगी की आशंका को देखते हुए नगर परिषद की ओर से शहर में सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान झज्जर रोड, सेक्टर 9 सहित अन्य प्रमुख इलाकों में चलाया गया। शनिवार को सड़क किनारे जमा मिट्टी, कचरे, घास, झाड़ियों और नालों के पास फैले मलबे को जेसीबी मशीन की मदद से साफ किया गया। नगर परिषद के एसआई सुनील हुड्डा ने बताया कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए अभियान को गंभीरता से चलाया जा रहा है। आमजन भी साफ-सफाई को लेकर जागरूक रहें और प्लास्टिक, पॉलीथिन या बोतलें नालियों में न फेंके।

लुहारहेड़ी में 2 महीने पहले बनी सड़क टूटी

ठेकेदार और अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग

■ बनते ही सड़क टूटने से ग्रामीणों में रोष दोबारा बनवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नायब राज में भ्रष्टाचार विकास पर भारी पड़ रहा है। गांव लुहार हेड़ी में बनाई गई सड़क दो महीने भी नहीं चली। बनते ही सड़क टूटने से ग्रामीणों में नाराजगी है। उन्होंने ठेकेदार के साथ ही संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। बीजेपी नेता जसबीर सैनी बताया कि गांव लुहारहेड़ी में पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाई गई सड़क महज 2 महीने में ही टूट गई। सरपंच प्रतिनिधि अश्विन तहलान व बीजेपी नेता जसबीर सैनी ने कहा कि ऐसे ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट किया जाना चाहिए। पूर्व प्रधान सुरेंद्र, सूबेदार महेंद्र सिंह, जगबीर ठोलेदार, देवा प्रधान, रौनक मलिक, सतपाल तहलान, जयप्रकाश नंबरदार, पूर्व पंच कर्मबीर, दिलबाग़, धर्म सिंह, सूबेदार हवा सिंह व जगदीश तहलान आदि ने दोषी ठेकेदार व अधिकारियों पर कार्रवाई करने व सड़क नए सिरे से बनवाने की मांग की।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी

झज्जर। शुक्रवार को प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश के वाराणसी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त राष्ट्र के किसानों को समर्पित की गई। इस अवसर पर देशभर में आयोजित प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस-2025 कार्यक्रमों के अंतर्गत जिले में भी विशेष आयोजन किए गए। कृषि विभाग के उप निदेशक जितेंद्र अहलावत ने बताया कि जिले के विभिन्न खंडों में किसानों और कृषि उत्पाद विक्रेताओं ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर लाइव प्रसारण को उत्सुकता से देखा और सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें तकनीक, नवाचार व जैविक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

बच्चों को सब्जियों के बीजों से युक्त पेंसिल और इको फ्रेंडली स्टेशनरी वितरित की

बहादुरगढ़। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बालोर के सरकारी स्कूल में क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को जलवायु परिवर्तन, विशेषकर वर्षा ऋतु में होने वाले बदलावों के प्रभावों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में डॉ. अजय जैन ने मुख्य वक्ता के रूप में बताया कि वर्षा ऋतु में असामान्य बारिश पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव डाल रही है। यह परिवर्तन केवल हमारे दैनिक जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करता है। छात्रों को इको-फ्रेंडली सामग्री यानी पर्यावरण अनुकूल नोटबुक, पैन और पेंसिल वितरित किए गए। इन विशेष पेंसिलों में विभिन्न सब्जियों के बीज भी लगे हुए थे, जिन्हें उपयोग के बाद मिट्टी में बोया जा सकता है और समय के साथ ये पौधों में परिवर्तित हो सकते हैं। यह पहल न केवल शैक्षणिक उपयोग की वस्तुओं को पर्यावरण के हित में बदलने की दिशा में एक प्रयास थी, बल्कि छात्रों को प्रकृति के साथ जुड़ाव का भी अनुभव कराया।

डिपो धारकों को ई-केवाईसी शीघ्र पूरा करने के निर्देश

झज्जर। पुरानी तहसील परिसर स्थित सहायक खाद्य आपूर्ति विभाग कार्यालय में एएफएसओ अमरजीत सिंह ने स्थानीय डिपो धारकों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने डिपो धारकों से कहा कि वे उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करें। उन्होंने कहा कि जिन राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी नहीं होगी, उनका आगामी माह का राशन वितरण रोका जा सकता है। उन्होंने डिपो धारकों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शत-प्रतिशत ई-केवाईसी का कार्य सुनिश्चित करें, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर और सही रूप से मिल सके। बैठक में विभागीय निरीक्षक अजय राठी और रंजन यादव, उप निरीक्षक रितु रानी एवं अजय कुमार ने भी डिपो धारकों को संबोधित करते हुए ई-केवाईसी की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया सरकार की पारदर्शिता और लाभार्थियों के सत्यापन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डिपो धारक किरोड़ी, सुनील, राजबीर रोहिल्ला, नीटू वाल्मीकि, राकेश भदानी, संदीप सिलानी, दयानंद, बाबूलाल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

रात्रि ठहराव कार्यक्रम में डीसी ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

■ यातायात नियमों का पालन, साइबर फ्रॉड से बचाव तथा नशामुक्त जीवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो : हरिभूमि

कासनी में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए गांव के विकास से जुड़े ग्रामीणों के सुझावों को भी सुना। उन्होंने कहा कि रात्रि ठहराव केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकार का यह संकल्प है कि प्रशासन जनता के द्वार तक पहुंचे और उसकी समस्याओं को समझे। उन्होंने कहा कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं जिनका स्थानीय स्तर पर समाधान संभव होता है,ऐसे में ग्रामीण एकजुटता के साथ ग्रामीण विकास में सहभागी बने।

कार्यक्रम में कासनी के अलावा आसपास के गांवों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं जैसे सड़क, जल निकासी, फसल बीमा, बिजली, आंगनवाड़ी भवन, पशु चिकित्सा केंद्र की स्थिति आदि पर खुलकर चर्चा की। डीसी ने मौके पर अधिकारियों को निर्देश देकर कई समस्याओं का तुरंत समाधान कराया। वहीं डीसीपी जसलीन कौर ने ग्रामीणों को यातायात नियमों के पालन, साइबर फ्रॉड से बचाव तथा नशामुक्त जीवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

वैश्य आर्य शिक्षण महिला कॉलेज में बैठक आयोजित

वाईआरसी की गतिविधियां बढ़ाने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। चेयरपर्सन पाटिल का स्वागत करती प्रिंसिपल व अन्य।

जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों को सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में अहम मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला रेडक्रॉस सोसायटी की चेयरपर्सन मोहिनी स्वप्निल पाटिल ने की। महाविद्यालय के प्रधान सत्यनारायण अग्रवाल व प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने चेयरपर्सन मोहिनी स्वप्निल पाटिल का स्वागत किया। साथ ही इसके उपरांत सभी कॉर्डिनेटर्स को पौधे, वॉलिंटियर्स और सपोर्टिंग स्टाफ को कंबल वितरित किए गए। बैठक के दौरान भविष्य में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जांच शिविर, सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली व नशामुक्ति अभियान आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के यूथ रेडक्रॉस कॉर्डिनेटर और प्रिंसिपल उपस्थित रहे। साथ ही फर्स्ट एड इंस्ट्रक्टर कंचन कुमार, हेल्थ इंस्ट्रक्टर दीपक व अकाउंटेंट तरुण गर्ग ने भी शिरकत की। जिला रेडक्रॉस सचिव देवेंद्र चहल ने यूथ रेड क्रॉस की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवाओं में सेवा और त्याग की भावना को जागृत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। चेयरपर्सन मोहिनी स्वप्निल पाटिल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे समाजसेवा को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएं। रक्तदान, सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण तथा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के दिन विशेष अभियान चलाएं। कॉलेज प्रधान सत्यनारायण अग्रवाल ने कहा कि रेडक्रॉस की गतिविधियां समाज में मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का एक उत्कृष्ट माध्यम हैं। रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति जैसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। रेडक्रॉस की डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर एवं प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे अभियान समय की आवश्यकता है।

प्रदेश के 27 तैराक अहमदाबाद गए, 80 इवेंट्स में भाग लेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हरियाणा की टीम 51वीं जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैम्पियनशिप के लिए अहमदाबाद पहुंच गई है। यहां 3 से 7 अगस्त तक स्पर्धाएं होंगी। हरियाणा की टीम को एचएल सिटी स्थित चैम्पियन्स एक्वेटिक एकेडमी के स्पोर्टस कॉम्पलेक्स से टीम जर्सी और किट देकर रवाना किया गया। हरियाणा ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने बताया कि हरियाणा की टीम में 17 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। ये कुल मिलाकर 80 इवेंट्स में भाग लेंगे। इस बार इलिशा सरोहा, अवनि सूरी, नियती जुल्का, इवा गुप्ता, रोहित लाठर, वीर दलाल, देवांश जुल्का, जयवर्धन राव, अनि सिंह, आदिश अहलावत, दिव्यांशु गुलिया, प्राप्ति घोष, जोया अग्रवाल, कियाशा नायर, साम्या शिंगारी, स्तुति चैटर्जी, अर्जुन सिंह, आयान खत्री, रिजुल भारद्वाज, दर्श सिंह, शोभित गिल, कृष जैन, इशांत, नितेश, विहान, आशिमा सिंह जूनियर नेशनल में भाग ले रहे हैं। इस मौके पर सुरेश जून, अनिल और कोच साई जाधव भी मौजूद रहे।

देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की राजधानी शिलांग के उत्तर-पूर्व में खासी पहाड़ियों के बीच बसा मॉसिनराम गांव विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। साल में लगभग आठ महीने बारिश से भीगने वाले इस गांव की अनेक विशेषताएं इसे दुनिया में अलग पहचान प्रदान करती हैं। क्यों होती है यहां इतनी बारिश, कैसे रहते हैं स्थानीय लोग वहां, विस्तार से जानिए।

टूरिस्ट स्पॉट / वीना गौतम

बादलों और बारिश का बसेरा
मॉसिनराम गांव

चाहे कोई शहर हो, कस्बा हो या फिर गांव, हर जगह की अपनी एक निजी पहचान, कुछ अलग विशेषता होती है। यही विशेषता उस स्थान विशेष को एक लैंडमार्क के रूप में स्थापित करती है। भारत में ऐसा ही एक स्थान है, मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित मॉसिनराम गांव।

सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान

आज से कुछ दशक पूर्व तक चेरापूंजी विश्व के सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब मॉसिनराम को सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का खिताब प्राप्त है। दरअसल, 1973 से 2019 के बीच मौसम विज्ञान के डेटा के मुताबिक चेरापूंजी में मॉसिनराम से 0.42 मिलीलीटर कम बारिश होने लगी थी। इस अंतर को देखते हुए सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का जो ताज चेरापूंजी के सिर पर हुआ करता था, वह मॉसिनराम नामक गांव के सिर पर सज गया।

इसलिए होती है सर्वाधिक बारिश

सवाल है आखिर मॉसिनराम में दुनिया की सबसे ज्यादा बारिश कैसे होती है? जबकि दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहें आमतौर पर भूमध्य रेखा के आस-पास होती हैं। दुनिया में भौगोलिक रूप से देखा जाए तो सबसे ज्यादा बारिश दक्षिण अमेरिका, मध्य-पश्चिमी अफ्रीकी देशों और कुछ दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में होती है। फिर मॉसिनराम ने दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश की बाजी कैसे मार ली? इसका जवाब है कि आमतौर पर मई से सितंबर तक यहां जो बारिश होती है, उसका सबसे बड़ा कारण इस गांव की अपनी खास भौगोलिक स्थिति है। शिलांग से लगभग 60 से 65 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्वी दिशा में खासी पहाड़ियों के बीच बसा यह गांव अपनी विशेष स्थिति के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पानी से भरी बदलियों का डेरा बन जाता है। खासी पहाड़ियों की खास स्थिति इन पानी से भरी बदलियों को आवभगत के लिए रोकती है और ठीक तभी बंगाल की खाड़ी से आने वाली गर्म और नम हवाएं इन्हें यहां झूमकर बरस जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। 1491 मीटर ऊंची खासी पहाड़ियों के कारण ही इन बादलों की नमी संघनित होकर बारिश में बदल जाती है।

बांस के छाते से खुद को भीगने से बचाते स्थानीय लोग

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हर वर्ष मई से सितंबर तक यहां प्रायः हर रोज कम से कम एक बार तो झूमकर बादल बरसते ही हैं। यही नहीं ये बादल दिन के ज्यादातर समय यहां डेरा डाले रहते हैं। पहले देश-विदेश के लोग चेरापूंजी इसलिए घूमने जाया करते थे कि यह भारत और दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह थी, उसी तरह अब लोग मॉसिनराम जाते हैं। पर्यटकों की वजह से यहां के लोगों के आय का स्रोत भी थोड़ा बढ़ा है। चेरापूंजी के सिर से हालांकि सर्वाधिक बारिश वाला ताज तो इसके पड़ोसी मॉसिनराम ने छीन लिया, लेकिन आज भी चेरापूंजी दुनिया में दूसरे नंबर के सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह बनी हुई है। मॉसिनराम का मौसम सालभर ठंडा और ह्यूमिड यानी नमी वाला रहता है। हां, इसके बावजूद यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करती है। यही कारण है कि शिलांग या चेरापूंजी घूमने का कार्यक्रम बनाने वाले लोग अब मॉसिनराम को भी अपने पर्यटन शिड्यूल शामिल करते हैं। क्योंकि यह भारत के नक्शे में एक विशिष्ट लैंडमार्क है।

दुनिया का सर्वाधिक नम स्थान भी है मॉसिनराम

ये खूबियां बनाती हैं खास

इस गांव की अपनी कई और खूबियां भी हैं। हर समय बारिश होने के कारण यहां पानी में उगने वाली कई पत्तेदार सब्जियां खूब मिलती हैं। कई तरह के मौसमी फल भी यहां खूब मिलते हैं। पानी भरपूर होने के कारण मछलियां भी खूब पाई जाती हैं। देश के दूसरे हिस्सों में जब बारिश होती है तो आमतौर पर जनजीवन ठहर सा जाता है। लेकिन मॉसिनराम गांव में ऐसा नहीं होता। यहां के लोग बारिश के बीच चलते-फिरते और घूमते रहते हैं। यहां के बाशिंदे बारिश के समय भीगने से बचने के लिए खास तरह के बांस के बने छातों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें कनूप कहते हैं। यह कनूप सिर्फ यहां की ही नहीं चेरापूंजी की भी पहचान है। दरअसल, इससे यहां के लोगों का कमर तक शरीर ढका रहता है और वे अपने सारे काम करते रहते हैं।

इसके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

मॉसिनराम के पास दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यहां पूरे साल में करीब 6 से 8 महीने लगभग हर दिन एक बार बारिश होती है और यहां देश के किसी भी बाकी हिस्से से लगभग 10 गुना ज्यादा बारिश होती है। एक साल में लगभग 11,871 मिलीमीटर। इतनी ज्यादा बारिश दुनिया में और कहीं नहीं होती। मॉसिनराम गांव, दुनिया में सबसे गीली जगह भी है। यहां पर 'वेटेस्ट प्लेस ऑफ अर्थ' का साइन बोर्ड भी लगा हुआ है।

हालांकि मॉसिनराम के दावे को चुनौती देने के लिए कुछ सालों पहले कंबोडिया के एक शहर यूरो ने दावा किया था कि उसके यहां साल में 12,717 मिलीलीटर बारिश होती है, लेकिन जब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा उसके दावे की जांच की गई, तो यह गलत पाया गया। माना गया कि शायद बारिश को नापने का उसका पैमाना, पुराना और पारंपरिक है, जिससे उनसे यह गलतफहमी हुई। *

वास्तव में जीरो नहीं होता है
लोन पर जीरो इंटरेस्ट

आकर्षक डिस्काउंट, जीरो इंटरेस्ट पर लोन जैसे प्रलोभनों के जाल में अक्सर लोग फंस जाते हैं। इन ऑफर्स या लोन पर सामान खरीदना क्या वास्तव में फायदेमंद होता है? इसकी हकीकत आपको पता होनी चाहिए।

मनी मैटर्स
शिखर चंद जैन

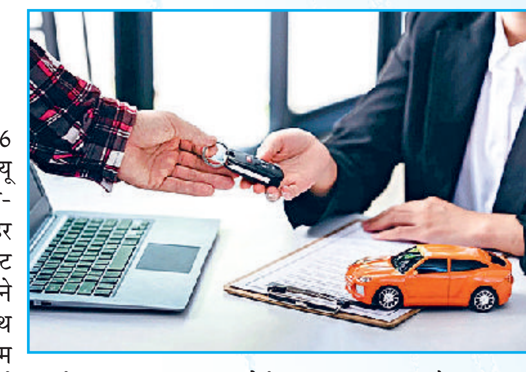

चाहे 15 अगस्त हो या 26 जनवरी, क्रिसमस हो या न्यू ईयर, वैलेंटाइन-डे हो, वूमेंस-डे हो, दीपावली हो या होली, प्रायः हर फेस्टिवल, खास ऑकेजन पर प्रोडक्ट निर्माता कंपनियां अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर्स देती हैं। साथ ही कई डीलर या उनके साथ मिलकर काम करने वाले फाइनेंसर 'जीरो इंटरेस्ट' ईएमआई पर घरेलू उपकरण देने की पेशकश भी करते हैं। अकसर ग्राहक ऑफर्स के ऐसे भ्रम जाल में फंस जाते हैं।

जीरो इंटरेस्ट का फंडा: ईएमआई या लोन पर घरेलू सामान या मशीनरी की खरीद करते समय अच्छी तरह जान लें कि डीलर या फाइनेंसर मुफ्त समाज सेवा करने के लिए नहीं बैठा है। वे अपनी रकम के बदले ब्याज वसूल करते हैं। जीरो इंटरेस्ट के पीछे एक चतुराई भरा हिसाब-किताब होता है। पहली बात, नकद खरीद में एकमुश्त पैसा देकर खरीदने पर इलेक्ट्रिक आइटमों पर काफी डिस्काउंट दिया जाता है, जो ब्रांड और सामान की क्वालिटी पर निर्भर करता है। कई बार तो यह एमआरपी पर 40 फीसदी तक भी हो सकता है। लेकिन जब आप किश्तों पर सामान खरीदते हैं, तो सारा हिसाब-किताब एमआरपी के हिसाब से ही किया जाता है। मामूली डिस्काउंट दे भी दिया जाए, तो एडमिनिस्ट्रेशन या सर्विस चार्ज के नाम पर आपसे वसूली कर ली जाती है। साथ ही आप खरीददारी के वक्त जो डाउन पेमेंट देते हैं, वो हाथों-हाथ देने के बावजूद उस पर भी ब्याज जोड़ लिया जाता है। याद रखें, 'जीरो इंटरेस्ट' का ऑफर, प्रायः प्रोडक्ट की सेल बढ़ाने का मात्र एक तरीका होता है। सच तो यह है कि ज्यादातर फाइनेंस करने वाला, लोन की रकम पर पूरा ब्याज वसूलता है। लोन पर या किश्तों पर घरेलू उपकरण खरीदना अधिकांश मामलों में घाटे का सौदा ही होता है।

ऐसे भी मिल सकता है डिस्काउंट: कई बार डीलर आपको काफी डिस्काउंट और बहुत कम एडमिनिस्ट्रेटिव फीस में भी ईजी इंस्टॉलमेंट पर सामान देने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसा करने के पीछे कुछ कारण होते हैं। जैसे- सामान को स्टॉक में रखने और हैंडल करने की बजाय बेचने में लाभ, वैसे गैजेट्स या उपकरण का कोई नया मॉडल बाजार में आ चुका हो या आने वाला हो, जिससे उसकी मांग में गिरावट आ सकती हो, काफी दिनों से स्टॉक में रहने के बावजूद उस मॉडल की बाजार में खास मांग न आ रही हो। इन स्थितियों में उपकरण की लाइफलाइन बहुत कम हो जाती है और रीसेल वैल्यू भी गिर जाती है। इसलिए प्रोडक्ट की पूरी जानकारी लेकर ही उसे खरीदें।

इन बातों पर विचार कर लें: अगर आपको लोन या किश्तों पर सामान खरीदना ही हो, तो डीलर से कंज्यूमर लोन लेने की बजाय दूसरे विकल्पों पर विचार करके देखें। अगर आपके अपने बैंक डिपॉजिट पर कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा हो या उससे कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन मिल रहा हो, तो उस पर विचार करें। क्रेडिट कार्ड पर सामान खरीदना तो कई बार और भी महंगा ऑप्शन साबित हो सकता है।

समझें जरूरत-दिखावे का अंतर: कई बार लोग जरूरत न होने पर भी देखा-देखी या दिखावे के चक्कर में अनावश्यक घरेलू सामान खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने की बात यह है कि घरेलू सामान या उपकरणों की रीसेल वैल्यू बहुत कम होती है। साथ ही इन प्रोडक्ट्स का लाइफ स्पैन भी काफी कम होता है। इसलिए ये सामान तभी खरीदें, जब आपको इनकी जरूरत हो। जीरो इंटरेस्ट के छलावे में आकर सिर्फ दिखावे के लिए ऐसे सामानों की खरीद, आपके घरेलू बजट पर बुरा असर डाल सकती है।

तुलनात्मक लाभ को समझें: अगर आप अपने पास पर्याप्त रकम होने के बावजूद लोन पर सामान खरीद रहे हैं, तो ऐसा करना तभी ठीक होगा जब आप अपनी रकम को किसी ऐसी जगह निवेश कर रहें हों, जहां से तुलनात्मक रूप से आपको ज्यादा रिटर्न (फायदा) मिल सकता है। ऐसी स्थिति में आप फायदे में रहेंगे। अन्यथा लोन लेना सही नहीं रहेगा। *

दायित्व
विजय सिंह चौहान

जब हम किसी के लिए कुछ अच्छा या उसकी मदद करते हैं तो इससे उस जरूरतमंद इंसान का भला तो होता ही है, हमें भी संतुष्टि मिलती है। इसलिए ऐसे अवसर को कभी न गवाएं।

जितना हो सके संभव
बनें किसी का सहारा

एक वृक्ष बिना किसी अपेक्षा के हमें छाया देता है, फल-फूल देता है, लकड़ी और प्राण वायु तक देता है। वह न तो कुछ संजोता है और न ही प्रतिदान की आकांक्षा रखता है। उसका समर्पण पूर्णतः निःस्वार्थ होता है। पेड़ ही नहीं पूरी प्रकृति हमें देना, दूसरों का भला करना सिखाती है। प्रकृति का मौन संदेश है-सब कुछ देकर भी विनम्र बने रहना।

हम समझें अपना दायित्व: मानव होने के नाते हमारा भी यह उत्तरदायित्व बनता है कि हम समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को जानें, समझें और उन्हें निभाएं। किसी भटके को राह दिखाना, लड़खड़ाते को थाम लेना, निराश को आशा देना-एक इंसान, एक सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा सामाजिक दायित्व है।

मनुष्य होने की सार्थकता: जब भी किसी जरूरतमंद की मदद करने की बात आती है, तो कई लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है, 'मैं ही क्यों मदद करूं?' जरा ध्यान से सोचें, तो इस प्रश्न का उत्तर हमें स्वयं ही मिल जाएगा। आज हम आभासी दुनिया में उलझे हुए हैं, मानवीय संवेदनाएं सूखती जा रही हैं। हम समस्याओं को पहचानते हैं, उन पर चर्चा भी करते हैं, पर रुक कर किसी की सहायता करना जैसे भूलते जा रहे हैं। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास, हमारी थोड़ी-सी मदद किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है, तो हमें इस तरह के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा न करके हम एक जरूरतमंद-लाचार को मदद से वंचित तो रखते ही हैं, साथ ही यह एक इंसान के रूप में स्वयं से भी छल है। मनुष्य वही है, जो मनुष्य के काम आए। इसलिए अगर आप समर्थ हैं तो आपको अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करनी चाहिए। ध्यान रखें, वास्तविक परोपकार केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं होता। यह एक सोच है, एक जीवनशैली जो हमें 'मनुष्य' होने के सही अर्थ से जोड़ती है।

हम क्या कर सकते हैं: अगर मन में परोपकार की सच्ची भावना है, तो हम कई तरह से किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा में सहयोग करें, उसे किताबें दें या थोड़ा-सा समय निकाल कर स्वयं पढ़ाएं। ज्ञान का दीपक एक बार जल जाए, तो वह अनेक दीपों को रोशन कर सकता है। अगर आपके पास आर्थिक संसाधन सीमित हों तो तन से सेवा करें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अस्पतालों या वृद्धाश्रमों में सहयोग कर सकते हैं। रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से भी हम मानव सेवा या परोपकार कर सकते हैं।

व्यवहार से परोपकार: आप अपनी वाणी, अपने व्यवहार से भी किसी को उपकृत कर सकते हैं, किसी का संबल बन सकते हैं। आज असंख्य लोग अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग। ऐसे में अपनत्व भरे दो शब्द उनके जीवन की संध्या में उजास भर सकते हैं। किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लेना, उनकी मन की सुन लेना, यह छोटा-सा आत्मीय व्यवहार उनके लिए अमूल्य हो सकता है।

कर सकते हैं सार्थक प्रयास : सेवानिवृत्त हो चुके बुजुर्ग और कुशल युवा, समाज के जरूरतमंद तबकों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान से वे जरूरतमंद युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर बनने में मार्गदर्शन दे सकते हैं। उनकी यह सेवा तात्कालिक नहीं, दीर्घकालिक प्रभाव वाली होगी।

दीर्घकालिक संस्कार: जब हम यह सोचने लगते हैं, 'मैं समाज को क्या दे सकता हूं?' तभी हम सच्चे अर्थों में मनुष्यत्व के नजदीक पहुंचते हैं। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में आशा बनकर खिल सकता है। वास्तव में, परोपकार कोई क्षणिक भाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्कार है। तो आइए समाज को कुछ देने का हर संभव प्रयास करें। *

जानकारी
सुनील कुमार महला

अब कम सुनाई देती है
झींगुरों की झांय-झांय!

बारिश के मौसम में ग्रामीण या पेड़-पौधों से भरे इलाकों में सूरज ढलते ही झींगुरों की झांय-झांय सुनाई देने लगती है। कभी-कभी तो दिन के समय भी जब बारिश के कारण मौसम में ठंडक होती है, वातावरण झांय-झांय की आवाज से गूंजने लगता है। लेकिन शहरों में झींगुरों के बारे में देखने-सुनने को नहीं मिलता। आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं?

कम होने के कारण: बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, तीव्र विकास, ग्लोबल वार्मिंग के कारण जंगलों का घनत्व कम होता जा रहा है। इंसानी शोर बढ़ने से ही झींगुरों की झांय-झांय पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। इस संबंध में कुछ समय पहले एक शोध के नतीजे बीएमसी इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित हुए थे। इसके मुताबिक इंसानों के बढ़ते शोर से न सिर्फ झींगुरों का संगीत मंद पड़ा है, बल्कि उनका जीवन काल भी घट गया है।

ऐसे उत्पन्न होती है आवाज: नर झींगुर अपनी विशेष आवाज (झांय-झांय) के लिए जाने जाते हैं। यह ऐसी ध्वनि होती है, जो उनके पंखों के घर्षण से उत्पन्न होती है, जिसे स्ट्रिड्यूलेशन कहते हैं। दरअसल, इस तरह की ध्वनि के दो उद्देश्य होते हैं। एक, यह मादा झींगुरों को आकर्षित करता है और दूसरा इसके जरिए अन्य नर झींगुरों के बीच क्षेत्रों को निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से रात में सक्रिय रहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण: झींगुर विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में मुख्य रूप से अपघटन, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर वापस छोड़ते हैं। *

फिल्म-ट्रेंड
हेमंत पाल

बॉलीवुड में जिन रिश्तों या भावनाओं को आधार बनाकर कई सफल फिल्में बनीं, उनमें से एक दोस्ती भी है। इन फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। दोस्ती के अलग-अलग रंगों से सजी कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब नजर आए हैं
दोस्ती के अलग-अलग रंग

'दोस्ती' ने कायम की फिल्मी दोस्ती की मिसाल

'सौदागर' में दिखी राजकुमार-दिलीप कुमार की दोस्ती

हम सभी की जिंदगी में दोस्त बहुत अहमियत रखते हैं। यही वजह है कि जिंदगी के अलग-अलग शेड्स को सिल्वर स्क्रीन पर पेश करने वाले फिल्मकारों ने भी दोस्त और दोस्ती की फीलिंग पर कई यादगार फिल्में बनाई हैं। हिंदी फिल्मों के शुरुआती दौर से कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें दोस्ती के रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया। दोस्ती पर आधारित ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

मील का पत्थर बनी 'दोस्ती': जब भी दोस्त और दोस्ती पर बनी फिल्मों का जिक्र होता है, 1964 में राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' के बिना बात पूरी नहीं होती। अपने समय की यह सुपरहिट फिल्म थी। फिल्म में शारीरिक रूप से अक्षम दो गरीब दोस्तों रामू और मोहन की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रामू (सुशील कुमार सोमैया) पैर से अक्षम होता है और मोहन (सुधीर कुमार सावंत) की आंखें नहीं होती हैं। वे दोनों एक-दूसरे के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं। दोस्ती जैसे विषय पर बनी फिल्मों के बीच एक मील का पत्थर है यह फिल्म। उसके बाद तो दोस्ती की मिसाल वाले इस विषय को कई बार घुमा फिराकर परोसा जाता रहा। 'दोस्त', 'खुदगर्ज' 'चश्मेबद्दूर' और 'काई पो चे' में दोस्ती को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया।

इन कलाकारों ने कई फिल्मों में निभाई दोस्ती: बॉलीवुड के बिग बी यानी अमिताभ बच्चन की कई फिल्मों का केंद्रीय विषय दोस्ती रहा। 'जंजीर', 'शोले', 'नमक हराम', 'हेराफेरी', 'शान', 'सुहाग', 'दोस्ताना', 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों को याद कीजिए। इन सभी सफल फिल्मों में अमिताभ और अन्य कलाकारों के बीच की दोस्ती के विभिन्न रंगों को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया। 'हेराफेरी', 'मुकद्दर का सिकंदर' में अमिताभ और विनोद खन्ना की दोस्ती दिखाई गई। 'दोस्ताना' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अमिताभ की दोस्ती मिसाल के रूप में याद की जाती है। 'शोले' में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेंद्र) की दोस्ती को कौन भूल सकता है भला! अमिताभ और धर्मेंद्र की दोस्ती बाद में 'चुपके-चुपके' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में भी दिखी। राजेश खन्ना के साथ अमिताभ ने 'आनंद' और 'नमक हराम' में दोस्ती को जीवंतता दी। शशि कपूर के साथ 'ईमान धरम' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों में अमिताभ ने यही दोस्ती निभाई।

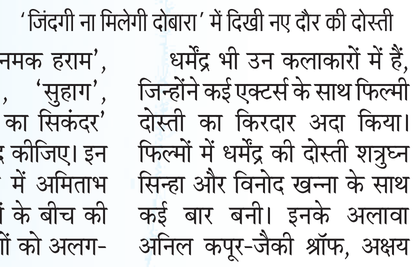

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती

धर्मेंद्र भी उन कलाकारों में हैं, जिन्होंने कई एक्टर्स के साथ फिल्मी दोस्ती का किरदार अदा किया। फिल्मों में धर्मेंद्र की दोस्ती शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना के साथ कई बार बनी। इनके अलावा अनिल कपूर-जैकी श्रॉफ, अक्षय कुमार-सुनील शेट्टी और संजय दत्त-गोविंदा की दोस्ती पर बनी फिल्मों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दोस्ती और प्रेम त्रिकोण: दोस्ती और प्रेम त्रिकोण पर आधारित कई हिंदी फिल्में बनीं और सफल हुईं।

'शोले' में जय-वीरू की यादगार दोस्ती

दो दोस्तों की दोस्ती के बीच एक लड़की आ जाती है। फिर या तो गलतफहमी पनपती है या प्रेम त्रिकोण बन जाता है। क्लाइमैक्स में या तो गलतफहमी दूर हो जाती है या फिर एक दोस्त का त्याग सामने आता है। इस तरह की फिल्मों का चलन शायद राज कपूर, राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' से शुरू हुआ था। आगे चलकर इस तरह की कई फिल्में बनीं और सफल हुईं।

यादगार है 'सौदागर' की दोस्ती: 1991 में सुभाष घई ने फिल्मी दुनिया के दो दिग्गजों दिलीप कुमार और राज कुमार को दोस्ती की डोर में बांधा और फिल्म बनाई-सौदागर। इस फिल्म की गिनती दोस्ती पर आधारित श्रेष्ठ फिल्मों में होती है।

दिखे दोस्ती के कई रूप: हर दौर में दोस्ती के आधार पर बनाई गई फिल्मों में दोस्ती के अलग-अलग रूप नजर आते रहे हैं। 'दिल चाहता है' तीन दोस्तों, आकाश (आमिर खान), समीर (सैफ अली खान) और सिद्धार्थ (अक्षय खन्ना) की कहानी है, जो अपनी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हुए दोस्ती के महत्व को समझते हैं। '3 इडियट्स' तीन इंजीनियरिंग छात्रों की कहानी है, जो अपनी पढ़ाई, करियर और जीवन के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हैं, पर उनकी दोस्ती बनी रहती है। 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' तीन दोस्तों की कहानी है जो बैचलर पार्टी के लिए स्पेन जाते हैं और वहां अपनी दोस्ती के नए आयाम ढूंढते हैं। बीते कुछ दशकों में ऐसी फिल्में भी बनाई गईं, जिनमें दोस्ती तो थी, पर फिल्म का केंद्रीय विषय कुछ और ही था। 'रंग दे बसंती', 'कुछ-कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' और 'चश्मे बद्दूर' जैसी फिल्मों को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। कहने का सार है कि दोस्ती पर फिल्म बनने का सिलसिला आज भी जारी है। जिसे दर्शक पसंद भी खूब करते हैं। *

हरिभूमि रविवार भारती

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

मित्रता दिवस आज

बाकी सारे रिश्ते तो हमें जन्म से मिलते हैं, एक दोस्ती का रिश्ता हम खुद ही बनाते हैं। स्वार्थ से परे, सुख-दुख पर हमेशा साए की तरह मौजूद रहने वाला यह रिश्ता हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखता है। भले ही समय के साथ इसका स्वरूप बदल गया हो लेकिन आज भी यह उतना ही मूल्यवान है।

सबसे प्यारा-अनमोल दोस्ती का रिश्ता

कवर स्टोरी

अंशु सिंह

इस दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। कुछ हमारे परिवार के सदस्य होते हैं, कुछ रिश्तेदार। कुछ हमसे प्रेम करते हैं तो कुछ हमसे ईर्ष्या करते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो बिना किसी फायदे के जरूरत पड़ने पर हमारी हर संभव मदद करने को सदैव तत्पर रहते हैं। हमें जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। दुख और मुश्किल समय में साथ खड़े होते हैं। उन्हें ही हम दोस्त कहते हैं। यह दोस्ती हमारे आपसी विश्वास और आस्था पर टिकी होती है।

स्वार्थ से परे आत्मीय रिश्ता: किसी ने कहा है, 'मुझे अपने मित्रों के बारे में बताइए, मैं आपके व्यक्तिव के बारे में बता दूंगा।' वास्तव में आपके दोस्त किस तरह के हैं, वह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपका जीवन में क्या लक्ष्य है? आपका चरित्र कैसा है, आपकी सोच कैसी है?

सच में, धन-दौलत तो बहुत से लोग कमा लेते हैं। लेकिन दोस्ती जैसा सच्चा धन हर कोई नहीं कमा पाता। इस दुनिया में हर इंसान को एक ऐसे शख्स की जरूरत होती है, जिसे वह अपनी दिल की बातें बेझिझक बता सके। इसलिए दोस्त वो होता है, जिस पर आंख बंद कर भरोसा किया जा सके। दोस्तों के बीच स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। न ही दोस्ती किसी की जाति, पंथ या धर्म देखती है।

पुराणों-इतिहास में मित्रता: हिंदू पौराणिक कथाओं में मित्रता के कई आदर्श उदाहरण देखे जा सकते हैं। जैसे, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा, वानर राज सुग्रीव एवं भगवान श्रीराम, श्रीराम एवं विभीषण की मित्रता हमारे लिए आज भी आदर्श हैं। इतिहास पर नजर डालें तो 19वीं सदी के शुरुआती दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और मोहम्मद अली जिन्ना बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। वे अकसर घर-सार्वजनिक स्थलों पर मिलकर अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के तरीकों पर चर्चा करते थे। मुगल

काल में छत्रपति शिवाजी और तानाजी भी बचपन के दोस्त थे। बाल्यकाल से ही दोनों मुगलों के अधीन किलों पर विजय पाने की रणनीति बनाया करते थे। जैसे-जैसे दोनों बड़े हुए, शिवाजी ने तानाजी की मदद से कई लड़ाइयां जीतीं और तानाजी उनके योद्धा सेनापति बन गए। इस तरह उन्होंने आजीवन अपनी दोस्ती की मिसाल कायम की। उनकी दोस्ती इतिहास में अमर हो गई।

होता है मार्गदर्शक : दोस्ती का संबंध ही ऐसा होता है कि वे सदा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। अपने दोस्त का हित करने के लिए व्यक्ति उसकी नाराजगी भी झेलने को तैयार रहता है। एक सच्चा दोस्त हमेशा अपने दोस्त का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, उसका मार्गदर्शक होता है। हो सकता है कि किसी समय कुछ देर के लिए अपने मित्र की बातें या कार्य आपको उचित न लगें। लेकिन कभी न भूलें कि सच्चा मित्र हर स्थिति में आपका हित ही चाहता है। अगर वह कोई कार्य करने से आपको रोकता है तो उसमें जरूर आपका हित ही होगा। हो सकता है उसका मनोभाव आपको कुछ समय बाद समझ में आए।

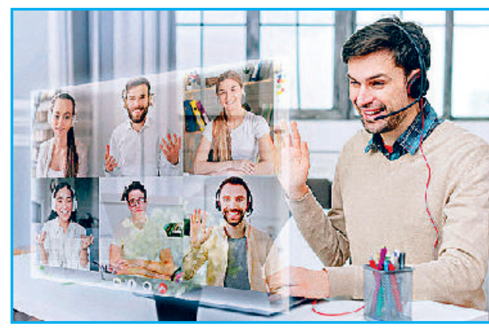

मित्रता पर भी पड़ा तकनीकी प्रभाव: पिछले दो-तीन दशकों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारणों से मित्रता में काफी बदलाव आया है। 20 वीं सदी तक दोस्ती खतों और आमने-सामने की मुलाकातों के जरिए कायम रहती थी। फिर टेलीफोन और बाद में इंटरनेट ने संपर्क बनाए रखना आसान बना दिया। इक्कीसवीं सदी में टेक्स्ट मैसेज, सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के जरिए संवाद होने लगा। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म ने तो दोस्ती बनाने और निभाने के तरीके को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इनसे लोग दुनिया भर में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। हालांकि इसमें ज्यादातर रिश्तों में गहराई नहीं होती। कह सकते हैं कि दोस्ती की परिभाषा व्यापक हो गई है। आज दोस्ती पारंपरिक बाधाओं को पार करते हुए अधिक विविध और समावेशी तरीकों से विकसित हो सकती है। बहरहाल, समय और दौर कोई भी हो, दोस्ती आज भी दो इंसानों के बीच सबसे प्यारा और अनमोल रिश्ता होता है। *

दोस्ती से बेहतर रहता है मानसिक स्वास्थ्य

पल्लवी प्रकाश
साइकोलॉजिस्ट -मोटिवेशनल कोच

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी दोस्ती का बहुत अधिक महत्व होता है। दोस्त, भावनाओं को व्यक्त करने, समस्याओं को साझा करने और सलाह लेने के लिए एक आत्मीय साथ प्रदान करता है। इस भावनात्मक समर्थन से तनाव, चिंता और उदासी सभी को कम किया जा सकता है। फ्रेंडशिप नेटवर्क का हिस्सा होने से व्यक्ति जुड़ाव और खुद को मूल्यवान महसूस करता है। यह अपनेपन की भावना मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और उसे अकेलेपन, अलगाव की भावनाओं से बचा सकती है। दोस्त नियमित व्यायाम, संतुलित आहार जैसी स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करके और धूम्रपान या अत्यधिक शराब पीने जैसे हानिकारक आदतों से बचाकर व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

बॉलीवुड में दोस्ती

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ बदला है। एक ऐसी इंडस्ट्री जो अधिकतर बिजनेस बेनिफिट और स्वार्थ के लिए जानी जाती है। उस माहौल में भी कई स्टार्स की दोस्ती एक मिसाल की तरह है। जैसे, करीना-अमृता-मलाइका की एक दशक से भी ज्यादा पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत और अटूट बनी हुई है। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर बचपन की दोस्त हैं। अनन्या, शनाया को सोल सिस्टर कहती हैं। अभिनेता रणबीर कपूर और निर्देशक अयान मुखर्जी का ब्रोमांस इंडस्ट्री में बेहद चर्चित है। सलमान खान और अजय देवगन भी वर्षों से पक्के दोस्त हैं। इस बारे में अजय कहते हैं, 'सलमान और मैं एक ही समय पर इंडस्ट्री में आए थे। पिछले 25 सालों से हमारी दोस्ती बरकरार है।'

सेल्फ मोटिवेशन

राजयोगी बीके निकुंज जी

हमेशा साथ रहता है हमारा सच्चा मित्र

यह सही है कि आज के दौर में सच्चा मित्र मिलना बहुत कठिन है। बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहने वाला सच्चा मित्र। ऐसे ही सच्चे मित्र की तरह ईश्वर भी हमेशा हमारे साथ रहता है।

जरूरत के वक्त जो साथ दे, वही सच्चा मित्र होता है। यह पुरानी कहावत आज भी उतनी ही सच है, जितनी वर्षों पहले थी। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हम सभी ने इसे अनुभव किया है, कभी किसी अजनबी से, तो कभी उस शख्स से जिससे हमें कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन आज, जब हमारे जीवन में रिश्तों से ज्यादा 'कांटेक्ट्स' हैं, और मित्र बस केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले नाम बनकर रह गए हैं, तब यह सवाल जरूरी हो गया है कि मित्रता वास्तव में हमारे लिए क्या मायने रखती है?

हर रिश्ते से ऊपर: जब आप आंखें बंद करके खुद से यह पूछते हैं कि मेरे जीवन में कौन वास्तव में मायने रखता है? तो आपका ध्यान शायद उस व्यक्ति की ओर नहीं जाता, जिसने आपको योग्य सलाह दी। बल्कि उस व्यक्ति को मन याद करता है, जो उस समय चुपचाप आपके कंधे पर हाथ रखकर पास बैठा रहा, जब आपकी दुनिया बिखर रही थी। जी हां! मित्रता वही रिश्ता है, जो न खून के रिश्ते से बंधा होता है, न शर्तों पर टिका होता है। एक सच्चा मित्र आपको वैसे ही स्वीकार करता है, जैसे आप हो न कि जैसे वह आपको देखना चाहता है। शायद इसलिए ही परिवार या रिश्तेदार से ऊपर हम हमेशा मित्रता को रखते हैं क्योंकि यही एक ऐसा रिश्ता है, जो हम अपनी पसंद से चुनते हैं।

बनता है आत्मिक संबंध: एक सच्चा मित्र शायद हमसे हमारी पसंद की बात हमेशा कह न पाए, लेकिन उसकी बात सीधे दिल तक पहुंचती है और इसीलिए उस व्यक्ति के साथ हमें एक आत्मीयता सी महसूस होती है, जो न किसी तर्क पर टिकी होती है, न किसी प्रयोजन पर। जब यह जुड़ाव दोनों ओर से होता है, जब आत्माएं एक-दूसरे को पहचानें और सम्मान दें, तब एक सुंदर संबंध का जन्म होता है। एक ऐसा संबंध, जो जीवन भर और शायद उसके बाद भी बना रहता है।

सच्ची नहीं आभासी मित्रता: आज बदलते युग में मित्रता का अर्थ बदलता जा रहा है। आज हम सहकर्मी, सहपाठी, जिम के साथी या सोशल मीडिया फॉलोअर्स को भी मित्र कह देते हैं। लेकिन साथ रहना और दिल से जुड़ना इन दोनों में बड़ा फर्क है। फेसबुक फ्रेंड होना, इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की बधाई देना, ये सब असली मित्रता नहीं है। सच्ची मित्रता वहां होती है, जहां भावनात्मक समानता होती है, दिल से दिल का रिश्ता होता है, जहां न अहं होता है और न किसी भी प्रकार की अपेक्षा।

सवाल उठता है कि तो कौन होता है सच्चा मित्र? एक ऐसा व्यक्ति जिसके समक्ष आप बिना किसी मुखौटे के अपने मूल रूप में रह सकें, बिना कुछ छुपाए, बिना कुछ साबित किए। जो आपके दोषों को जानकर भी आपका साथ न छोड़े। जो शब्दों से नहीं, मौन से भी दिल तक पहुंच जाए और एक हल्के से स्पर्श या दृष्टि से आपको यह जता दे 'मैं यहीं हूं तुम्हारे साथ।' आज के इस तेज रफ्तार जीवन में, सबसे दुर्लभ बात है, उपलब्धता। वर्तमान काल में ऐसा कोई है, जो बिना विचलित हुए बस आपकी बात सुने? है कोई ऐसा? आजकल तो सभी से ज्यादातर, 'थोड़ी देर बाद बात करते हैं', फिर से कॉल करता हूं', 'थोड़ा बिजी हूं' यही सब सुनने को मिलता है, जो भावनात्मक दूरी की नई भाषा बन चुके हैं। इसीलिए इस बात से कोई इंकार नहीं करेगा कि आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां रिश्ते भी सुविधाओं के अनुसार चलते हैं। जब जरूरत हो, तब याद किया जाता है। जब हम किसी के काम के नहीं रहते, तो भुला दिए जाते हैं।

ईश्वर होता है हमारा परममित्र: आज के समय में ऐसा मित्र मिलना मुश्किल है, जो बिना किसी अपेक्षा के, बिना किसी शर्त के साथ दे। मैंने अपने अनुभव में पाया कि सबसे स्थायी, सबसे निःस्वार्थ मित्रता मुझे इंसानों में नहीं, बल्कि किसी और में मिली, सर्व शक्तिमान परमात्मा में। जी हां, उस दिव्य सत्ता में जिसे आप भगवान, ईश्वर, खुदा, सर्वोच्च आत्मा या सिर्फ मेरा सबसे प्यारा मित्र कह सकते हैं। हम प्रार्थना में अकसर उसे पिता, माता, गुरु या मार्गदर्शक कह कर पुकारते हैं। लेकिन क्या कभी आपने उससे एक मित्र की तरह बात की है? बिना किसी औपचारिकता, बिना किसी रीति-नीति के, बस सीधे दिल से? एक बार कोशिश कीजिए। जैसे अपने सबसे करीबी दोस्त से आप बात करते हैं, वैसे ही उनसे भी करिए, बिना कोई डर, बिना संकोच। फिर देखना आप अंदर ही अंदर महसूस करेंगे एक ऐसी शांति, ऐसा सुकून, जो किसी मानवीय रिश्ते में नहीं मिलता। उसका प्रेम प्रदर्शन पर नहीं अपितु उपस्थिति पर आधारित है। बस उसे दिल से याद कीजिए और वो आपकी हर धड़कन में मौजूद मिलेगा। *

लाइफस्टाइल

शिखर चंद जैन

अच्छे दोस्त मिलना सौभाग्य की बात है। इससे जिंदगी गुलजार हो जाती है। इसलिए किसी को अपना घनिष्ठ दोस्त बनाने से पहले उसमें मौजूद कुछ क्वालिटीज के बारे में जरूर जान लेना चाहिए।

जिंदगी में बहुत जरूरी हैं ऐसे दोस्त

जिंदगी में अच्छे दोस्तों की अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं अपने आस-पास के लोगों, अपनी संगत और माहौल की वजह से ही हैं। हमारे सपने, लक्ष्य, सोचने और काम करने का तरीका, रहन-सहन और जीने का अंदाज बहुत कुछ उन्हीं लोगों से प्रभावित होता है, जिनके साथ हम अपना ज्यादातर वक्त बिताते हैं। इसे मनोविज्ञानी लॉ ऑफ अट्रैक्शन कहते हैं। अमेरिकी व्यवसायी जिम रॉन ने कहा है कि आप उन 5 लोगों का एवरेज होते हैं, जिनके साथ आप हमेशा रहते हैं। इसलिए दोस्त बनाने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

जो देते हैं स्मार्ट सोशल सपोर्ट: हम जो कुछ करते हैं, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बहुत सारे लोगों का इंवॉल्वमेंट होता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल लाइफ, अपने आर्थिक, मानसिक, सामाजिक और शारीरिक हितों के लिए हमें कुछ लोगों पर निर्भर होना पड़ता है, अच्छे दोस्त यह जरूरत पूरी करते हैं।

जो ज्यादा समझदार हों: महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने कहा था, 'अगर आप अपने इनर सर्किल में सबसे स्मार्ट या बुद्धिमान व्यक्ति हैं तो आप एक गलत सर्किल में रह रहे हैं।' कहने का तात्पर्य यह है कि आपको खुद से ज्यादा सफल, सक्षम, समझदार और प्रतिष्ठित दोस्तों के बीच रहना चाहिए। इसलिए आप ऐसे लोगों को दोस्ती के लिए चुनें, जो आपकी सफलता और मानसिक सुकून में आपके साथी बन सकें।

जिनका साथ अच्छा लगे: मानसिक बीमारियों के प्रबल वर्तमान दौर में मन का सुकून बड़ी दुर्लभ चीज हो गई है। अधिकांश इंसान दुश्चिंता और अवसाद से घिरे रहते हैं। ऐसे में जिन लोगों के बीच रहकर आपको मानसिक सुकून मिलता हो, जिनके साथ हंसी-मजाक का दौर चलता हो, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा जरूर बनाएं।

जिनकी उपस्थिति में सहज महसूस करें: ऐसे दोस्त जिनकी उपस्थिति में आप सहज महसूस करें और अपने मन की बातें बिना लाग लपेट के खुलकर कह सकें, उनको साथ रखना चाहिए। ये ऐसे लोग होते हैं, जिनके कुछ कहने पर आपका ईगो हर्ट नहीं होता और आप कुछ कह दें तो ये भी दिल पर नहीं लेते। ये शॉक एब्जॉर्बर करने वाले लोग, जिनकी आपको जरूरत होती है।

जो बुरे वक्त में साथ खड़े रहते हों: हर व्यक्ति की जिंदगी में दो चार दोस्त ऐसे जरूर होने चाहिए, जो बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रह सकें। बीमारी की स्थिति में सही डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचाना और तीमारदारी, दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने वाला और आर्थिक मुसीबत के वक्त पैसों की मदद करने वाले लोग निहायत जरूरी हैं। आपको भी ऐसे लोगों से अपने रिश्ते प्रगाढ़ रखने चाहिए।

जो आत्मविश्वास बढ़ाते हों: आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करना चाहते हैं, कोई नया बिजनेस करना चाहते हैं या चैलेंजिंग जॉब ज्वाइन करना चाहते हैं तो शुरू-शुरू में हिचक रहती है। ऐसे में आप असफल लोगों से राय मांगेंगे तो वे आप को हतोत्साहित कर देंगे। वहीं सकारात्मक स्वभाव के दोस्त आपका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे, पॉजिटिव सजेशन देंगे और आपको प्रेरणा देंगे। ऐसे लोगों से मेल मिलाप अवश्य रखें।

जो आपसे ईर्ष्या ना करते हों: कुछ लोग अपने इर्द-गिर्द वालों की तरक्की, खुशहाली और सुकून नहीं देख सकते। ये ईर्ष्यालु होते हैं और मौका मिलते ही टांग खींचते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करने से दूर रहें। जो लोग आपकी सफलता को सराहते हैं और आपसे प्रेरणा या सलाह लेना चाहते हैं, उन्हें अवश्य अपने सर्किल में रखें। इनसे आप जीवन में कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेंगे। *

दोहे / राजश्री राठी

बरखा नर्तन करे

झंकृत वीणा हृदय की छेड़ रही अनुराग।
बरखा नर्तन यूं करे जैसे पद में राग।।
नैन बाट जोहत रहे भर-भर कर मनुहार।
बरखा का स्वागत करे हृदय कुसुम बन हार।।
बरखा छम-छम यूं करे ज्यूं पायल झनकार।
दुल्हन रूप धरा लिए सज सोलह सिंगार।।
गरजे घन-घन मेघ जब करते बंद किवाड़।
बैरन सी बरखा हुई मन को रही बिगाड़।।
बादरवा घनन गरजे मन मोरा घबराय।
पिया रहे परदेस में नैन नेह बरसाय।।
छम-छम बरखा जो हुई मन मे भरी उमंग।
आसमान में उड़ रही जैसे कोई पतंग।।

कहानी

विनय कुमार पाठक

राखी का तोहफा

बेईमानों से भरी इस दुनिया में भी बहुत से ऐसे ईमानदार हैं, जिनका मन विपन्नता में भी किसी के पड़े बैग में ढेर सारे पैसे देखकर भी नहीं डगमगाता। ऐसे ही एक कबाड़ बटोरने वाले गरीब इंसान की दिल को छूती कहानी।

एआई इमेज

राजेंद्र एक कबाड़ बीनने वाला है, वह रोज की तरह रेलवे स्टेशन पर कचरे के ढेर में अपने काम की चीजें तलाश रहा था। उसकी नजरें बेहद सतर्क थीं-प्लास्टिक की बोतलें, टीन के डिब्बे और अपने काम की अन्य चीजे, उसकी निगाहें तलाश रही थीं। इन्हें वह कबाड़ी को बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। उसने अपनी बोरी में ऐसी कई चीजें भर रखी थीं, लेकिन वह कुछ और सामान बटोरना चाह रहा था।

तभी राजेंद्र की नजर दूर पड़े एक भूरे रंग के हैंडबैग पर पड़ी। 'शायद किसी अमीर आदमी ने यूं ही फेंक दिया होगा।' राजेंद्र ने सोचा। उसे मालूम है, जो चीजें अमीरों के लिए बेकार होती हैं, वही किसी गरीब के लिए बहुत काम की होती हैं। उसे पहले भी कूड़े से एक जोड़ी अच्छे जूते मिले थे, जिसे वह खुद इस्तेमाल कर रहा था। यह बैग उसे कुछ ऐसा ही अवसर लग रहा था।

तेजी से चलकर राजेंद्र उस बैग तक पहुंचा। सौभाग्य से आस-पास कोई और रद्दी बीनने वाला नहीं था। बैग अच्छी हालत में था। बस उसका हैंडल टूटा हुआ था, जिसे कोई मोची आसानी से ठीक कर सकता था। राजेंद्र ने इधर-उधर देखा कि कोई देख तो नहीं रहा, फिर बैग के बीच वाला चेंबर खोला। अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए-उसमें पांच सौ के नोटों की एक मोटी गड्डी थी। साथ ही एक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड भी रखा दिखा।

यह अप्रत्याशित दौलत देखकर राजेंद्र के मन में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन दूसरे ही पल उसे अहसास हुआ कि कार्ड उसके किसी काम के नहीं हैं। राजेंद्र ने सुना था कि किसी और के कार्ड इस्तेमाल करने पर जेल हो सकती है। हो सकता है, यहां कहीं लगा सीसीटीवी कैमरा यह सब कवर कर रहा हो। उसका बेवजह फंसने का कोई इरादा नहीं था। एकाएक राजेंद्र के दिमाग में आया, हो सकता है इस बैग के मालिक को पैसों की बहुत जरूरत हो, दवाई या किसी और जरूरी काम के लिए। अपने मन के बोझ को दूर करने के लिए वह सीधे रेलवे स्टेशन जा पहुंचा। स्टेशन मास्टर के केबिन में जाकर बोला, 'साहब, यह बैग मुझे रेलवे ट्रैक के पास मिला था, जब मैं कबाड़ बीन रहा था।'

'ठीक है, जाकर उधर एक किनारे बैठ जाओ।' स्टेशन मास्टर ने कहा। वहां रूम में एक व्यक्ति बैठा हुआ था। वह चिंतित दिख रहा था।

'मिस्टर अजय, शायद यही वह बैग है, जिसकी आप तलाश कर रहे थे।' स्टेशन मास्टर ने उस व्यक्ति से पूछा।

'संभव है, मेरी कुलीग मीनाक्षी ने बताया था कि उसका ब्राउन बैग खो गया है। इसका डिटेल इससे मेल खाता है। उसमें आईडेंटिटी कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आज की सैलरी थी।' अजय ने जवाब दिया और राजेंद्र को थोड़ा संदेह की नजर से देखा।

'हां, इसमें पांच सौ के नोटों की मोटी गड्डी और दो कार्ड हैं।' राजेंद्र ने बताया।

'हमें इसकी पुष्टि करनी होगी।' स्टेशन मास्टर ने कहा और बैग खोलकर देखा। अंदर मीनाक्षी माथुर का ऑफिस पहचान पत्र और दोनों कार्ड मौजूद थे। नाम कार्ड पर स्पष्ट लिखा हुआ था।

'अजय जी, प्लीज मीनाक्षी जी को तुरंत फोन करें और बताएं कि उनका बैग मिल गया है, मेरे पास सुरक्षित है। आधार, वोटर कार्ड या पैन कार्ड लेकर आएं और सत्यापन करवा लें।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

अजय ने तुरंत मीनाक्षी को कॉल किया। वह पहले से ही बहुत परेशान थी। कॉल उठाते ही बोली, 'मैं अभी आ रही हूं। आधे घंटे में पहुंच जाऊंगी। प्लीज उस सज्जन को रोकिए, जिन्होंने बैग लौटाया है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगी। मेरे लिए यह पैसा बहुत जरूरी है।'

'सर, अब मैं जा सकता हूं?' राजेंद्र ने पूछा।

'हां, आप जा सकते हैं। आपकी ईमानदारी सराहनीय है। रेलवे प्रशासन को मैं आपके लिए पुरस्कार की सिफारिश करूंगा। आप अपना नाम और पता नोट करवा दीजिए।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

'भाई साहब, जरा रुक जाइए। बैग की मालकिन आने ही वाली हैं, वो आपको व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देना चाहती हैं।' अजय ने आग्रहपूर्वक कहा।

'ठीक है।' राजेंद्र ने कहा और अपना बोरा किनारे रखकर बैठ गया। करीब पैंतालीस-पचास मिनट बाद मीनाक्षी पहुंची, थोड़ी हांफती हुई।

'माफ कीजिए, ट्रैफिक बहुत था, इसलिए देर हो गई।' मीनाक्षी ने कहा। फिर अपना आधार कार्ड देकर प्रक्रिया पूरी की। स्टेशन मास्टर ने उसे बैग सौंप दिया।

'भाई साहब, मैं आपकी ईमानदारी के लिए आपको दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। आज मेरी सैलरी मिली थी, वह कुछ ही घंटों में गुम हो गई। भीड़ में ट्रेन से उतरते समय हैंडल टूट गया था। ढूंढने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं मिला। मैं आपको कुछ देना चाहती हूं, इसलिए देर हो गई। क्या आपको पता है कि आज रक्षा बंधन है?' मीनाक्षी ने अपने पर्स से एक राखी निकाली और मुस्कुरा दी। राजेंद्र ने बिना झिझक अपना हाथ बढ़ा दिया। मीनाक्षी ने पूरे स्नेह से उसे राखी बांधी। राजेंद्र ने अपनी फटी हुई जेब से एक छोटा पर्स निकाला। उसमें केवल दस रुपए का एक नोट था। उसने उस नोट को निकाला और कहा, 'मेरे पास बस यही है।' 'भैया, आपको कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। आपकी ईमानदारी ही मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है।' मीनाक्षी ने कहा और अपने बैग की ओर इशारा किया, आगे बोली, 'मैं मिठाई नहीं ला पाई तो कृपया ये पैसे रख लीजिए। अपने लिए मिठाई खरीद लीजिएगा।' उसने बैग से पांच सौ के दो नोट निकाले और राजेंद्र को सौंप दिए।

राजेंद्र थोड़ा झिझका, लेकिन स्टेशन मास्टर और अजय ने उसे कहा, 'यह पैसा स्वेच्छा से दे रही हैं, इसे लेने में कोई बुराई नहीं है।' अंततः राजेंद्र ने पैसे ले लिए और कमरे से बाहर निकल गया।

'आज भी ऐसे नेक लोग हैं दुनिया में।' मीनाक्षी ने अजय से कहा। वह राजेंद्र को जाते हुए तब तक देखती रही, जब तक नजरों से ओझल नहीं हो गया। *